RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 163 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 06-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर आ सकता है : वीरेंद्र सहवाग

6 अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

7 सात समंदर पार भी सुरभि चंदना को सता रही मुंबई की याद

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश में हिंदू कारोबारी की क्रूरतापूर्वक हत्या

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया है कि कारोबारी के सिर में तीन गोली मारने के बाद उनका गला रेत दिया गया। बांग्ला भाषा के दैनिक समाचार पत्र 'प्रथम आलो' के अनुसार मृतक की पहचान खुलना मंडल के जेस्सोर जिले के केशबपुर उपजिला स्थित अरुआ गांव निवासी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है। दैनिक समाचार पत्र के अनुसार, बैरागी की मोनिरामपुर के कोपलिया बाजार में बर्फ बनाने की फैक्टरी थी। इसके अलावा वह नरैल से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र 'दैनिक बीडी खबर' के कार्यवाहक संपादक भी थे। 'बीडीन्यूज24' समाचार पोर्टल के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अबुल बासर ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम लगभग 5:45 बजे कपालिया बाजार में हुई।

भारत ने अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया

नयी दिल्ली/भाषा। भारत ने अपने नागरिकों से सोमवार को आग्रह किया है कि वे विरोध प्रदर्शनों से प्रभावित ईरान की गैर जरूरी यात्राओं से बचें। खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को लेकर ईरान में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिससे देश बुरी तरह प्रभावित है। नयी दिल्ली ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उचित सावधानी बरतने और विरोध प्रदर्शन या धरने वाले क्षेत्रों की यात्रा से बचने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, ''हाल के घटनाक्रम को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।''

बांग्लादेश ने आईपीएल प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किए जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आयी गिरावट के बाद इस टी20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई ''तार्किक कारण'' नहीं बताया।

सोमनाथ मंदिर भारत की अदम्य भावना का प्रतीक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से 'अधिक उत्साहित नहीं' थे।
- सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। मोदी ने सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है।

अधिकारियों ने बताया कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरा होने पर एक 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा, ''हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है।'' प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से ''अधिक उत्साहित नहीं'' थे।

मोदी ने कहा कि 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होने का गवाह है और इसके बाद हुए बार-बार के हमलों के बावजूद यह मंदिर आज भी गर्व से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की।'' उन्होंने कहा कि यही भावना आज राष्ट्र में भी दिखाई दे रही है जो सदियों के आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर वैश्विक विकास के सबसे चमकते केंद्रों में से एक बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वह हमारे नवोन्मेषी युवाओं में निवेश करना चाहती है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।''

बेंगलूरु में शोभायात्रा पर पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के जगजीवन राम नगर में एक शोभायात्रा पर उपद्रवियों द्वारा पथराव किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण, किन्तु नियंत्रण में है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। रविवार रात शोभायात्रा पर हुए हमले में दो महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद निवासियों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जगजीवन राम नगर थाने के सामने प्रदर्शन किया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को आक्रोशित लोगों की ओर से जवाबी कदम उठाए जाने की आशंका के मद्देनजर जगजीवन राम नगर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इलाके में ही मौजूद हैं और घटना में शामिल उपद्रवियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। वीएस गार्डन निवासी शशिकुमार एन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की। शिकायत के अनुसार, यह घटना रात करीब सवा आठ बजे से नौ बजे के बीच हुई, जब श्रद्धालु इलाके में शोभायात्रा निकाल रहे थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पिछले 23 वर्षों से ओम शक्ति और अय्यप्पा स्वामी की पूजा में भाग ले रहे हैं और परंपरा के तहत ओम शक्ति की माला पहनकर तथा सिर पर 'इरुमुडी' रखकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं। 'इरुमुडी' कपड़े में बंधी दो पोटलियों का बंडल होता है जिसमें से एक में पूजा-सामग्री, नारियल, चावल, दीपक आदि होते हैं, जबकि दूसरी में श्रद्धालु की व्यक्तिगत जरूरत की चीजें रहती हैं। 'इरुमुडी' लेकर यात्रा करना अय्यप्पा व्रत का अहम हिस्सा माना जाता है।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि तीन से चार युवकों ने शोभायात्रा पर पथराव किया जिसके कारण एक महिला श्रद्धालु के सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गई। महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें यह भी दावा किया गया कि इससे पहले भी इलाके में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं और दो-तीन मौकों पर धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान शरारती तत्वों ने आगजनी की थी। शिकायत में यह आरोप भी लगाया गया कि इलाके में दलितों की खासी आबादी है और दलितों के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं सामने आती रही हैं। घटना को धार्मिक भावनाओं पर हमला और डराने-धमकाने का कृत्य बताते हुए ओम शक्ति और अय्यप्पा स्वामी के श्रद्धालुओं ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली दंगों पर उच्चतम न्यायालय ने कहा

सबूतों से खालिद और इमाम की संलिप्तता का पता चलता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली दंगे

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों से पता चलता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की ''साजिश रचने, लामबंदी करने और रणनीतिक दिशा-निर्देश देने'' में शामिल थे। इसके साथ ही इसने साजिश के मामले में दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

उच्चतम न्यायालय ने यूएपीए की धारा 43डी (5) का हवाला दिया, जिसके अनुसार यदि किसी मामले की डायरी या आरोपपत्र की पड़ताल करने पर न्यायालय को यह विश्वास करने के लिए उचित आधार मिलते हैं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही है, तो न्यायालय को जमानत देने से इनकार करना होगा।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर अपेक्षित एवं अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से प्रथम दृष्टया कथित साजिश में उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका का प्रमाण मिलता है।

पीठ ने कहा कि सामग्री से ''साजिश, लामबंदी और रणनीतिक दिशा-निर्देश के स्तर पर भागीदारी का संकेत मिलता है, जो छिटपुट या स्थानीय कृत्यों से कहीं आगे तक फैला है''। इसने कहा कि इसके अलावा, यूएपीए की धारा 43डी (5) के तहत यह वैधानिक सीमा इन अपीलकर्ताओं के संबंध में लागू होती है। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान के अनुसार, यदि मामले की डायरी या संहिता की धारा 173 के तहत बनाई गई रिपोर्ट का अवलोकन करने पर न्यायालय की यह राय हो कि यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सत्य है, तो ऐसे आरोपी व्यक्ति को जमानत पर या स्वयं के निजी मुचलके पर रिहा नहीं किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जब अभियोजन सामग्री प्रथम दृष्टया अपराध को उजागर करती है, तो वैधानिक प्रतिबंध प्रभावी होना चाहिए, और यदि ऐसा नहीं है, तो स्वतंत्रता प्रभावी होनी चाहिए। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को यह कहते हुए जमानत दे दी कि इससे उनके खिलाफ लगे आरोपों की गंभीरता में कोई कमी नहीं आती।

बिटकॉइन घोटाला:

राज कुंद्रा के खिलाफ समन जारी

मुंबई/भाषा। यहां की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज कुंद्रा के खिलाफ दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए सोमवार को बिटकॉइन घोटाले के मामले में उन्हें समन जारी किया। कुंद्रा के अलावा दुबई स्थित कारोबारी राजेश सतीजा को भी समन जारी किया गया है। दोनों को 19 जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है। कुंद्रा और सतीजा का नाम पिछले साल सितंबर में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामलों के लिए विशेष न्यायालय के समक्ष दायर पूरक याचिका में आरोपी के रूप में जोड़ा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, कुंद्रा को यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फार्म स्थापित करने के लिए 'गेन बिटकॉइन पोंजी' घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता और प्रवर्तक अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन प्राप्त हुए थे। ईडी ने दावा किया कि चूंकि सौदा पूरा नहीं हो सका, इसलिए कुंद्रा के पास अब भी 285 बिटकॉइन हैं।

लैपटॉप वितरण

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को यहां कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त लैपटॉप वितरण योजना की शुरुआत की और जोर देकर कहा कि यह कोई उपहार नहीं बल्कि उनके लिए दुनिया पर राज करने का अवसर है। सरकार ने कहा कि 'उलगम उंगल कैयिल (दुनिया आपके हाथों में है)' नाम की इस योजना का उद्देश्य छात्रों का डिजिटल सशक्तीकरण और उनका कौशल विकास करना है। इस योजना का उद्घाटन करते हुए स्टालिन ने कहा: ''लैपटॉप कोई उपहार नहीं है, बल्कि दुनिया पर राज करने का अवसर है; हमारे लिए यह कोई खर्च नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी की शिक्षा में निवेश है। हम आपके लिए सीखने के सभी अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। अच्छी तरह पढ़ाई करें और एक अच्छा मार्ग चुनें।''

सूर्यास्त 06-01-2026 6:07 बजे	सूर्योदय 07-01-2026 6:43 बजे
BSE 85,439.62 (-322.39)	NSE 26,250.30 (-78.25)
सोना 14,232 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 245,879 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँटी मानवता

हिन्दू, क्रिश्चियन या मुसलमान,
अगड़े-पिछड़े का भेद हुआ।
कोई कुरान बाइबिल वाला,
रामायण, ग्रंथी, वेद हुआ।
बँट गया जातियों में मानव,
अपनी कारा में कैद हुआ।
रिस रही मनुजता की गागर,
उसके तल में अब छेद हुआ।।

मोहन भागवत ने हिन्दू एकता व सामाजिक समरसता का मंत्र दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को हिंदू एकता और समरसता का मंत्र दिया और नागरिक कर्तव्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 'पंच परिवर्तन' के सूत्र दोहराये।

वृन्दावन में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक के अवसर पर प्रारम्भिक बातचीत में संघ प्रमुख ने हिन्दू समाज के बिखराव को रोकने तथा एकजुटता के लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रयास करने का संकल्प याद दिलाया।

संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की इस राष्ट्रीय बैठक में भाग लेने के लिए भागवत रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वृन्दावन स्थित केशवधाम पहुंच गए। केशवधाम में उनका एक सप्ताह का प्रवास है।

आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि भागवत ने संघ की स्थापना के सौ साल पूर्ण होने पर गत वर्ष विजयादशमी के अवसर पर तय किए गए आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन (परिवार संस्कार), पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 'पंच परिवर्तन' के सूत्र को दोहराया।

'ऑपरेशन सिंदूर' से सशस्त्र बलों ने दुनिया के सामने भारत की दृढ़ता का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों ने पिछले साल 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत को गौरवान्वित किया।

दिल्ली छावनी में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर 2026 में अपने संबोधन में राधाकृष्णन ने कहा कि सैन्य बलों ने सैन्य कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए दुनिया के सामने देश के संकल्प और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अभियान के दौरान एनसीसी के प्रशंसनीय योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एनसीसी ने सराहनीय योगदान दिया, जब लगभग 72,000 एनसीसी कैडेट नागरिक सुरक्षा उपायों के लिए स्वेच्छा से सेवाएं देकर 'एनसीसी योद्धा' बन गए।

अधिकारियों के अनुसार, इन कैडेट ने आपातकालीन अभ्यास, रक्तदान शिविरों और नागरिक सुरक्षा से संबंधित अन्य गतिविधियों में सहायता की।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पहलगाम हमले के जवाब में सात मई, 2025 की सुबह 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया गया, जिसमें कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया। पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

दुनिया को डराने की कोशिश में ट्रंप, दुनिया नहीं झुकेगी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वेनेजुएला के हालिया घटनाक्रम को लेकर सोमवार को दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया उनके सामने झुकने वाली नहीं है। खरगे ने यूरोपीय तानाशाहों हिटलर और मुसोलिनी का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि गलत सोच वाले लंबे समय तक नहीं टिकते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''दुनिया में जो हो रहा है वो ठीक नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया भर के लोगों को डराने की कोशिश कर रहे हैं।'' उनका कहना था, ''विस्तारवाद और प्रभुत्व थोपने का प्रयास, कभी भी लंबे समय तक नहीं चलता है। हिटलर, मुसोलिनी समेत ऐसे कई लोग चले गए।

।। श्री वरकाणा पार्श्वनाथाय नमः।।

लक्की ड्रॉ... लक्की ड्रॉ...

गोडवाड भवन द्वारा संचालित राणावत अतिथि भवन के सहयोगियों का भाग्यशाली ड्रॉ आगामी रविवार, दि. 11 जनवरी 2026 को प्रातः 11.00 बजे श्री गोडवाड भवन में रखा गया है । सभी सहयोगी उपस्थित रहें । भाग्यशाली यदि उपस्थित नहीं होंगे तो दूसरा टोकन निकाल कर उस भाग्यशाली को सम्मानित किया जाएगा ।

श्री गोडवाड़ जैन महासभा, बेंगलुरु
द्वारा आयोजित

स्नेह मिलन

के अवसर पर रविवार, दि. 25 जनवरी 2026
प्रात: 8.00 बजे से आप सपरिवार सादर आमंत्रित है।

स्थल : एम.जी.मेग्नस (मिराया ग्रीन्स)
सर्वे नं. 73, सकलवारा रोड, ऑफ बन्नरघट्टा रोड, बेंगलुरु -83.

स्नेह-मिलन के सम्पूर्ण लाभार्थी

श्रीमती पुष्पाबाई - श्री भवरलालजी श्रीश्रीमाल
मदनलालजी, भवरलालजी, महेन्द्रजी, हरिशजी, मनोजजी, राकेशजी
पुत्र-पुत्र वधू : मुकेशजी-प्रिया, दीपकजी-मनीता, सुनिलजी-रिषा, नरेशजी-नम्रता
पौत्र : नीरव, चहित, पौत्री : रुशाली, समेघा, मिली, रुही
बेटा पोता भवरलालजी अमीचंदजी चमनाजी श्रीश्रीमाल परिवार, बाली
फर्म : मेघदूत टेक्सटाइल्स प्रा. लि.
बेंगलुरु - सूरत - कलकत्ता

निवेदक
छगनलाल राठौड, अध्यक्ष
अश्विन सेमलानी, सम्मेलन चेयरमैन, मो.: 9448822882
प्रवीणकुमार चांदावत, महामंत्री, मो.: 9844278292

एवं श्री गोड़वाड़ जैन महासभा, बेंगलुरू के पदाधिकारी
गोड़वाड़ क्षेत्र की सभी बहन-बेटियाँ सादर आमंत्रित है ।
विशेष प्रतिभा रखने वालों की जानकारी श्री गोड़वाड़ जैन महासभा के कार्यालय (जुम्मा मस्जिद रोड़) मो : 9845412014 में भेज सकते है।

श्राविका मंडल ने जरूरतमंद डायलेसिस रोगियों की सहयोगार्थ दी धनराशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्य हस्तीमलजी की 116वीं जयन्ती के अवसर पर जैन रत्न श्राविका मण्डल द्वारा सोमवार को जय महावीर डायलेसिस सेंटर, हलसूर में 2.5 लाख रुपए की राशि का अनुदान देकर आजीवन सदस्यता प्राप्त की गई। इस राशि का उपयोग प्रतिदिन होने वाले डायलेसिस के माध्यम से जरूरतमंद रोगियों के उपचार में किया जाएगा। श्राविकाओं ने सेंटर का अवलोकन किया। सेन्टर में प्रतिदिन के डायलेसिस पर लगभग 11,000 के खर्च की जानकारी लेते हुए अनेक श्राविकाओं ने सहयोग राशि लिखवाई। इस अवसर पर बेंगलूरु संघ के अध्यक्ष निर्मल बम्ब, मंत्री भरत सांखला, युवा मंत्री प्रदीप भंसाली, अखिल भारतीय श्राविका मण्डल की मार्गदर्शिका मंजू भंडारी, कार्याध्यक्ष वैजयंती मेहता, बेंगलूरु श्राविका मण्डल की अध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, मंत्री शीतल भंसाली आदि उपस्थित थीं। हलसूर सेन्टर पर प्रतिदिन लगभग 17 डायलिसिस किए जाते हैं।

मैसूरु श्याम महोत्सव में धूमधाम से शामिल हुए बेंगलूरु के दादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मैसूरु। बेंगलूरु के दादी धाम प्रचार समिति के 90 सदस्य मैसूरु में आयोजित 'एक श्याम खाटू वाले के नाम' भजन संध्या में शामिल हुए। समिति के सदस्यों ने सबसे पहले नरसीपुरा स्थित कावेरी संगम पर स्नान कर दादी प्रतिमा को भी स्नान करवाकर पूजा की तथा दादीजी का लघु मंगलपाठ एवं भजन कीर्तन किया। दादीजी को चूड़ा चुनड़ी अर्पण किया। समिति के सदस्यों द्वारा लाए गए सूखे मेवे व इलायची का गजरा, फल का 56 भोग, फल की सवामणी, पंचमेवा आदि बाबा श्याम को अर्पण किए गए। साथ ही बेंगलूरु के गायक रामसुन्दर बगड़िया, श्यामसुन्दर बगड़िया, किशन बगड़िया ने श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। श्याम परिवार मैसूर समिति द्वारा बेंगलूरु के भक्तों का स्वागत किया गया। दादी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, सचिव संजय चौधरी ने कोलकाता से आए गायक रूपेश शर्मा का सम्मान किया।

मैसूरु के ओसवाल साजनान संघ का स्नेह मिलन आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया मैसूरु क्षेत्र का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह एक रिसोर्ट में मनाया गया। महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों के लिए विभिन्न खेल मनोरंजन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। संघ के अध्यक्ष विमलकुमार पितलिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा की संगठित समाज ही प्रगति की कुंजी है। स्नेह मिलन में तपस्वियों, वीर अभिभावकों, वरिष्ठ सदस्यों व सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सहाड़ा के विधायक लादुलाल पितलिया, आमंत्रित कवियों और विशिष्ठ अतिथियों का भी सम्मान किया गया। पितलिया ने कहा कि मदारिया समाज संघ का 100 वर्षो के ऊपर गौरवशाली इतिहास रहा है। हमें मर्यादाओं और नियम का पालन करते हुए युवा पीढ़ी को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देनी चाहिए। आमंत्रित कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी। मंत्री नेमीचंद श्रीमाल व महावीर देरासरिया ने दो सत्रों का संचालन किया। कोषाध्यक्ष अमरचंद दक ने धन्यवाद दिया ।

अयप्पा पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अयप्पा स्वामी भक्त मंडली नायडनहली द्वारा आयोजित अयप्पा पड़ी पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान अयप्पा स्वामी प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

टाटा समूह एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए नए प्रमुखों की तलाश में

मुंबई/भाषा। टाटा समूह ने एयर इंडिया की अगुवाई करने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है, क्योंकि वर्तमान प्रमुख कैंपबेल विल्सन का कार्यकाल अगले साल खत्म होने वाला है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, समूह अपनी अपनी अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए भी एक नए प्रबंध निदेशक की नियुक्ति पर विचार कर रहा है। इस पद पर आलोक सिंह भी 2027 में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, ''दोनों पक्ष (विल्सन और टाटा समूह) 2027 के बाद अनुबंध का नवीनीकरण नहीं चाहते हैं। इसलिए, एयर इंडिया के शीर्ष पद के लिए बाजार में उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश करना स्वाभाविक है।'' इस बारे में टाटा समूह की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है।

नायडू ने विश्व तेलुगु सम्मेलन में कहा, कोई भी भाषा श्रीष्ठ या हीन नहीं होती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

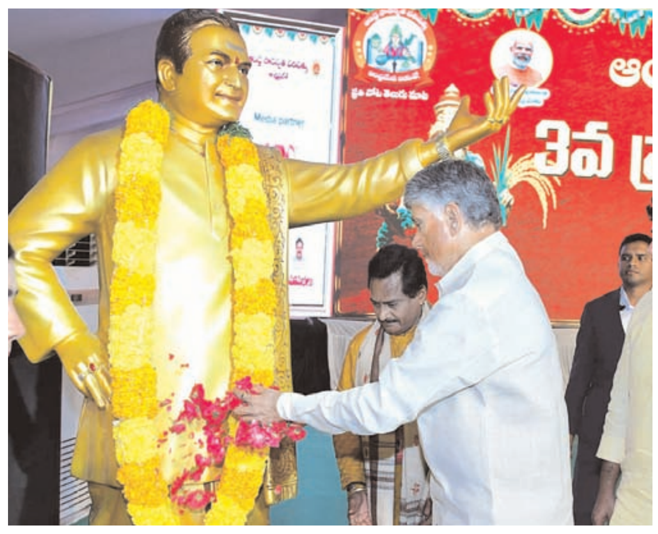

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि कोई भी भाषा दूसरी भाषा से श्रीष्ठ या हीन नहीं होती और उन्होंने देश भर के लोगों से एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करने का आह्वान किया। यहां चौथे विश्व तेलुगु सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने जोर देकर कहा कि जो लोग अपनी मातृभाषा में अध्ययन करते हैं, वे अक्सर सफल होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोगों को एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। कोई भी भाषा दूसरी भाषा से बड़ी या छोटी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी भाषाओं को नष्ट नहीं करती बल्कि उनके संरक्षण में मदद करती है। अंग्रेजी को आवश्यक बताते हुए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि अपनी मातृभाषा को भूलना अपनी पहचान को भूलने के समान है। नायडू ने कहा कि छह शास्त्रीय भाषाओं में तेलुगु का भी शामिल होना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि करीब 10 करोड़ लोग तेलुगु बोलते हैं। नायडू ने कहा कि सम्मेलन में 40 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राजामुंद्री में पोट्टी श्रीरामुलु के नाम पर एक तेलुगु विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। श्रीरामुलु गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1952 में एक अलग आंध्र राज्य के लिए 58 दिनों तक आमरण अनशन किया था, जिसके परिणामस्वरूप आंध्र राज्य का गठन हुआ। इस प्रकार वे भारत में भाषा आधारित राज्यों के निर्माण के लिहाज से एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए।

दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि शहर को दंगों की आग में धकेलने के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों-- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन ''भागीदारी के स्तर'' का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी । न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। गुप्ता ने कहा, ''हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। अदालत ने दिल्ली दंगों के मामले में आरोपियों-- शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि दंगों में शामिल लोगों का समर्थन करने वाली राजनीतिक पार्टियों के लिए कड़ा संदेश जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे ''अपराध में भागीदार'' थीं।

सैमसंग अपने सभी उत्पादों, सेवाओं को एआई से करेगा लैस : सह-सीईओ

लास वेगास (अमेरिका)/भाषा। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सैमसंग अपने प्रत्येक उत्पाद एवं श्रीणी में कृत्रिम मेधा (एआई) को शामिल करेगी। कंपनी मोबाइल फोन, घरेलू उपकरण और डिस्प्ले सहित कई श्रीणियों में प्रति वर्ष लगभग 50 करोड़ उपकरण का निर्यात करती है।

सैमसंग के सह-सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) टीएम रोह ने लास वेगास में सैमसंग के 'फर्स्ट लुक' कार्यक्रम में कहा कि कंपनी '' निर्बाध एकीकृत एआई अनुभव'' प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, '' हम एक सहज एकीकृत एआई अनुभव प्रदान करने के लिए हर श्रीणी, हर उत्पाद और हर सेवा में एआई को समाहित करेंगे और हर जगह अधिक से अधिक लोगों तक नवाचार की शक्ति पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।''

भारत-इजराइल व्यापार को रुपए में करने को बढ़ावा देगा एसबीआई

यरुशलम/भाषा। भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों में गहराई लाने और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी चर्चाओं के बीच इजराइल में उपस्थित एकमात्र भारतीय ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रुपए में द्विपक्षीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहा है।

एसबीआई इजराइल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. मणिवन्नन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' भारत के सहयोगी देशों से होने वाले महत्वपूर्ण व्यापार एवं वैश्विक व्यापार समुदाय में भारतीय रुपए में व्यापार करने की बढ़ती रुचि को देखते हुए, हमारे बैंकिंग नियामक यानी भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों के निर्यात एवं आयात का निपटान भारतीय रुपए में करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत इजराइल को भागीदार देशों में से एक के रूप में चुना गया है।''

एसबीआई के अधिकारी ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से निर्यात/आयात करने वाली इजराइली संस्थाएं भारतीय रुपए में भुगतान प्राप्त करेंगी और देंगी जिसे इजराइली विक्रेता/खरीदार से माल या सेवाओं की आपूर्ति/खरीद के 'इनवॉइस' के बदले विशेष रुपी वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) में जमा किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, '' एसबीआई तेल अवीव के पास इन लेन-देन को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक स्वीकृतियां मौजूद हैं।''

ट्रंप की ताजा चेतावनी से शेयर बाजार सतर्क, सेंसेक्स को 322 अंक का नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय उत्पादों पर शुल्क और बढ़ाने की ताजा चेतावनी के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 322 अंक के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 78 अंक की गिरावट रही।

विश्लेषकों ने कहा कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद ट्रंप की ताजा चेतावनी से धारणा प्रभावित हुई और बैंकिंग, आईटी एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे दिग्गज शेयरों में बिकवाली से बाजार पर दबाव रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 322.39 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 85,439.62 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 446.68 अंक फिसलकर 85,315.33 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 26,373.20 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने के बाद बढ़त कायम नहीं रख सका और 78.25 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,250.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, निफ्टी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई, जिससे सूचकांक 26,200 के समर्थन स्तर के आसपास आ गया।

ट्राई ने फर्जी कॉल, संदेश पर अंकुश न लगा पाने के चलते दूरसंचार कंपनियों पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने फर्जी कॉल और संदेशों को रोकने में विफल रहने के कारण दूरसंचार परिचालकों पर 150 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। वर्ष 2020 से शुरू होने वाले तीन वर्षों के लिए लगाए गए इस जुर्माने को दूरसंचार परिचालकों ने चुनौती दी है। सूत्र ने बताया कि ग्राहकों की शिकायतों को गलत तरीके से बंद करने और फर्जी कॉल करने वाले दूरसंचार कनेक्शनों पर नियमों के अनुसार कार्रवाई नहीं करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर 150 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय जुर्माना लगाया गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) उन दूरसंचार परिचालकों पर जुर्माना लगाता है, जो वित्तीय दंड से जुड़े नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं। ये नियम एक दूरसंचार परिचालक के लिए प्रत्येक लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र में प्रति माह 50 लाख रुपए तक के वित्तीय दंड का प्रावधान करते हैं। यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर वित्तीय दंड इसलिए नहीं लगाया जाता है कि किसी ने उनके नेटवर्क के माध्यम से स्पैम भेजा है, बल्कि इसलिए लगाया जाता है क्योंकि वे नियमों के अनुसार स्पैमर्स के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में विफल रहते हैं।

के. कविता ने बीआरएस पर साधा निशाना, पार्टी के संविधान को बताया 'मजाक'

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद की निलंबित सदस्य के. कविता ने सोमवार को अपने पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पार्टी पर निशाना साधते हुए तेलंगाना में पिछली सरकार के दौरान भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और पार्टी के संविधान को 'मजाक' बताया। कविता ने विधान परिषद में यह भी कहा कि बीआरएस शासनकाल के दौरान लिए गए कुछ अलोकप्रिय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पिछले साल सितंबर में बीआरएस से निलंबित होने के तुरंत बाद विधान परिषद से इस्तीफा देने वाली कविता ने परिषद अध्यक्ष गुथा सुखेन्द्र रेड्डी से इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया। उन्होंने बीआरएस से अपने निलंबन से संबंधित घटनाक्रन को याद करते हुए कहा कि पार्टी की जिस अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति ने उन्हें निलंबित किया, वह रातोंरात अस्तित्व में आ गई और कारण बताओ नोटिस जारी करने जैसी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। कविता ने कहा, उन्होंने अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति का हवाला दिया।

हरियाणा की हर सरकारी योजना में अनियमितताएं : सुरजेवाला

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भाजपा सरकार के तहत भ्रष्टाचार में तेजी से वृद्धि हुई है और राज्य में हर सरकारी योजना अनियमितताओं से घिरी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में भ्रष्टाचार के मामलों में पिछले पांच वर्षों में 78.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे यह देश का सातवां सबसे भ्रष्ट राज्य बन गया है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि भ्रष्टाचार से व्यथित होकर राज्य के 74 वर्षीय एक व्यक्ति ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में लगभग हर सरकारी योजना अनियमितताओं से घिरी है और राज्य सरकार धोखाधड़ी तथा खनन माफिया सहित विभिन्न माफियाओं के उदय, पेपर लीक होने के मामलों और मादक पदार्थों के प्रसार के लिए जिम्मेदार है।

'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का समर्थन करने के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने कहा कि 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने का उच्चतम न्यायालय का आदेश कांग्रेस के मुंह पर एक ''करारा तमाचा'' है। साथ ही पार्टी ने विपक्षी दल से ''टुकड़े-टुकड़े गैंग'' का समर्थन करने के लिए माफी मांगने को कहा। भाजपा ने खालिद और इमाम को भारत में विभाजनकारी ताकतों के 'पोस्टर ब्वॉय' बताते हुए दावा किया कि उन्हें बचाने के लिए कांग्रेस का पूरा तंत्र उन्हें ''निर्दोष पीड़ित'' के रूप में पेश कर रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सत्यमेव जयते।'' उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं।'' पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस को ''अफजल से लेकर उमर और शरजील तक टुकड़े-टुकड़े गैंग'' का समर्थन करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने शीर्ष अदालत के फैसले को राहुल गांधी और कांग्रेस के परिवेशी तंत्र के चेहरे पर ''करारा तमाचा' बताते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने ''टुकड़े-टुकड़े के 'पोस्टर ब्वॉय' उमर खालिद और शरजील इमाम को निर्दोष पीड़ित'' के रूप में पेश किया।

वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई अंतराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वेनेजुएला में अमेरिका द्वारा की गई एकतरफा कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर और कई अंतरराष्ट्रीय संधियों में निहित अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन है।

पार्टी के विदेश विभाग ने एक बयान में यह भी कहा कि वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और वहां संसाधनों का उपयोग स्थानीय लोगों की भलाई के लिए किया जाए बयान में कहा गया है, ''कांग्रेस पिछले 48 घंटों में वेनेजुएला में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा की गई एकतरफा कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त करती है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर और कई अंतरराष्ट्रीय संधियों में निहित अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन है।''

उसने यह भी कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता के प्रति सम्मान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नियम-आधारित विश्व व्यवस्था का आधार बनाया है। कांग्रेस का कहना था, ''संयुक्त राष्ट्र की स्पष्ट स्वीकृति के बिना इन्हें सीमित करने वाली कोई भी कार्रवाई शासन व्यवस्था के मौलिक नियमों के पुनरुत्थान और वैश्विक स्थिरता को कमजोर करने का खतरा पैदा करती है।'' उसने कहा, ''कांग्रेस का आग्रह है कि वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और वेनेजुएला के संसाधनों का उपयोग वेनेजुएला के लोगों की भलाई के लिए किया जाए, क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों पर स्थायी संप्रभुता के सिद्धांतों द्वारा गारंटी दी गई है।'' अमेरिका ने बीते शनिवार को एक सैन्य अभियान के तहत तेल समृद्ध वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था। बाद में दोनों को अमेरिका ले जाया गया।

वेनेजुएला संकट के बीच वायदा करोबार में कच्चातेल कीमतों में तेजी

नई दिल्ली/भाषा। भू-राजनीतिक विकासक्रम को लेकर सतर्क कारोबारी धारणा के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को कच्चा तेल की कीमत 42 रुपए की तेजी के साथ 5,197 रुपए प्रति बैरल हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का जनवरी माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 42 रुपए या 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,197 रुपए प्रति बैरल हो गया। इसमें 18,270 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

इसी प्रकार, कच्चातेल के फरवरी माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 37 रुपए या 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,202 रुपए प्रति बैरल हो गया। इसमें 3,011 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 57.46 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम मामूली बढ़कर 60.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में आवास गंवाने वालों को मकान देने के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बेंगलूरु के कोगिलु में हाल ही में अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान अपने घर गंवाने वाले लोगों को मकान देने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ सोमवार को यहां प्रदर्शन किया। बागलूर मेन रोड पर स्थित 'कंट्री क्लब' के पास यह विरोध प्रदर्शन 'कोगिलु बचाओ, अवैध प्रवासियों को हटाओ' के नारे के तहत आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावदी नारायणस्वामी और कई विधायक शामिल हुए।

भाजपा नेता आर. अशोक ने पत्रकारों से कहा कि यह प्रदर्शन कर्नाटक की जमीन की रक्षा के लिए है, जो राज्य के लोगों की है और केवल उन्हें ही मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोगिलु में प्रदर्शन स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर ही भाजपा कार्यकर्ताओं को रोक दिया, जो अनुचित है।

अशोक ने कहा कि मुद्दे का राजनीतिकरण किया गया और इसका संबंध केरल की राजनीति से है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की आलोचना करते हुए कहा, वे राजनीतिक लाभ के लिए हमारी जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। कर्नाटक के पास सीमित भूमि संसाधन हैं और यह भूमि राज्य के लोगों की है, किसी एक नेता की नहीं। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस नेता इस पहल का समर्थन करना चाहते हैं तो उन्हें उनकी जमीन की पेशकश करनी चाहिए।

विजयेंद्र ने अवैध ढांचों को हटाने के पूर्व निर्णय के बाद ध्वस्त किए गए मकानों के मालिकों को आवास उपलब्ध कराने के सरकार के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय राजनीतिक दबाव में वापस लिया गया है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश से आए कथित अवैध प्रवासियों को मकान आवंटित करने का कदम अस्वीकार्य है और दावा किया कि जनता यह सवाल उठा रही है कि राज्य का शासन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के हाथ में है या कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के हाथ में।

विजयेंद्र ने दस्तावेजों के उचित सत्यापन के बिना मकानों को ध्वस्त करने पर भी सवाल उठाया और कहा कि जरूरत पड़ने पर भाजपा अदालत का रुख करेगी। उन्होंने सरकार पर करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लगभग 38 लाख गरीब लोगों ने आवास के लिए आवेदन किया था लेकिन पिछले ढाई वर्षों में उन्हें एक भी घर आवंटित नहीं किया गया है।

वहीं, कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बैरथी सुरेश ने बृहस्पतिवार को कहा था कि कोगिलु लेआउट की फकीर कॉलोनी से हटाए गए परिवारों में से केवल 90 परिवार ही मुआवजे के तौर पर मिलने वाले मकानों के पात्र हैं। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि 400 परिवारों को घर दिए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, 20 दिसंबर को कोगिलु के वसीम लेआउट और फकीर कॉलोनी में एक कचरा प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए अतिक्रमण हटाया गया था।

भाजपा नेता सी एन अश्वथ नारायण ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी प्रवासी कर्नाटक में बस गए हैं और असली लाभार्थियों की अनदेखी कर उन्हें सरकारी लाभ दिए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 25 लाख से अधिक बांग्लादेशी रह रहे हैं और सरकार उन पर कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, आठ-दस साल पहले आवेदन करने वाले असली हकदार अब भी घरों का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अवैध प्रवासियों को फ्लैट दिए जा रहे हैं। यह केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति है।

कुमारस्वामी ने बल्लारी गोलीबारी मामले में 'लीपा-पोती' का आरोप लगाया, सीबीआई जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कर्नाटक सरकार पर हाल ही में बल्लारी में हुई गोलीबारी की घटना की लीपा-पोती के लिए एक व्यवस्थित साजिश का आरोप लगाया और कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की मौत की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़ित के शव का गैरकानूनी तरीके से दो बार पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का हवाला देते हुए मांग की कि मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाए।

जनता दल (एस) के प्रदेश कार्यालय जे.पी. भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि मामला सिर्फ एक पार्टी कार्यकर्ता की हत्या का नहीं है, बल्कि सरकार द्वारा जिम्मेदार लोगों को बचाने के कथित प्रयासों का है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर पर विरोधाभासी बयान देने और निर्णायक कार्रवाई करने में विफल होने का आरोप लगाया।

कुमारस्वामी ने कहा, मुझे उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता राजशेखर के शव का दो बार पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने दोबारा शव परीक्षण की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट के निष्कर्ष क्या थे? दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट क्या कहती है? दूसरा पोस्टमार्टम क्यों किया गया

और इसके लिए किसने दबाव डाला? कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि पहली जांच के दौरान छर्रे पाए गए और गंगावती के भाजपा विधायक जी. जनार्दन रेड्डी पर गलत जिम्मेदारी तय करने के लिए दूसरे पोस्टमार्टम का इस्तेमाल किया गया। राज्य सरकार की जांच को अर्थहीन बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के परस्पर विरोधी दावों ने जनता का विश्वास कम कर दिया है। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग को दोहराते हुए पूछा, इन परिस्थितियों में, यह सरकार किस प्रकार की जांच कर सकती है? कुमारस्वामी ने अधिकारियों के चयनात्मक निलंबन पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, अगर एसपी की गलती है तो क्या एडिशनल एसपी और आईजी भी जिम्मेदार नहीं हैं? मामले से निपटने में राजनीतिक पूर्वाग्रह का आरोप लगाते हुए, कुमारस्वामी ने सरकार पर बल्लारी विधायक नारा भरत रेड्डी के करीबी सहयोगी सहित आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। एक जनवरी को बल्लारी में बैनर लगाने को लेकर भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थकों के बीच कथित झड़प के बाद तनाव फैल गया। गोलीबारी में राजशेखर की मौत हो गई और पुलिस ने भरत रेड्डी के समर्थक सतीश रेड्डी के तीन निजी सुरक्षा गार्डों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने पथराव और गोलीबारी समेत हिंसा की कई घटनाओं के सिलसिले में 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि यह जनार्दन रेड्डी को खत्म करने का एक प्रयास था क्योंकि बल्लारी में उनके घर के ठीक बगल में कार्यक्रम स्थल पर पेट्रोल बम भी पहुंचाए गए थे। कर्नाटक के गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को सीआईडी को सौंपने पर विचार कर रही है।

नफरत की राजनीति अस्वीकार्य है और इससे नेताओं का सम्मान घटता है : खादर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने सोमवार को कहा कि नफरत की राजनीति अस्वीकार्य है और इस तरह के व्यवहार से लोगों की नजर में जनप्रतिनिधियों का सम्मान घटता है। खादर ने यहां प्रेसवार्ता में कहा विधायकों को एक-दूसरे को धमकी देने या भयभीत करने से बचना चाहिए और किसी को भी ऐसे कार्य में लिप्त नहीं होना चाहिए जो इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कलह या व्यवधान पैदा करे। खादर से बेल्लारी में वाल्मीकि की प्रतिमा के अनावरण के दौरान घटित विवादित घटना के बारे में पूछा गया था। बेल्लारी के कुछ इलाकों में बृहस्पतिवार को तब तनाव फैल गया जब बेल्लारी नगर से कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी और गंगावती से भाजपा विधायक जी जनार्दन रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने के मुद्दे पर कथित तौर पर हिसंक झड़प हो गई।

अगर हम समाज में बदलाव लाना चाहते हैं, तो हमें शिक्षित होना होगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि शिक्षा के बिना, कोई भी इंसान और स्वाभिमानी इंसान नहीं रह सकता। अगर हम समाज में बदलाव लाना चाहते हैं, तो हमें शिक्षित होना होगा। वह आज मैसूरु डिस्ट्रिक्ट पॉटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'स्टेट पॉटर्स ग्रैंड कन्वेंशन' का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुम्हार समुदाय सबसे पिछड़ा हुआ और कम आबादी वाला समुदाय है। कुम्हार समुदाय, जो कायाका योगी हैं, मिट्टी की कलाकृतियां बनाने की कला में विशेष महारत रखते हैं। यह गर्व की बात है कि ज्ञान का प्रकाश देने वाले कवि सर्वज्ञ इसी समुदाय से हैं। 12वीं सदी में, बसवन्ना ने समाज को कायाका और दसोह दिया। चार-रंग सिस्टम एक ऐसा सिस्टम है जो लंबे समय से चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़ा शूद्र वर्ग, जो आबादी का लगभग 80 प्रतिशत है, पढ़ाई-लिखाई से वंचित है।उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना कोई इंसान नहीं बन सकता और आत्म-सम्मान के साथ नहीं जी सकता। शिक्षा के महत्व को समझते हुए, बाबासाहेब अंबेडकर ने शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया। शिक्षा के बिना हम इंसान नहीं बन सकते और आत्म-सम्मान के साथ नहीं जी सकते। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा कि संविधान मिलने के बाद, सभी को समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद, हममें से कई लोग पढ़-लिख पाए।मुख्यमंत्री ने, जिन्होंने सभी से शिक्षित होने का आह्वान किया, कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता को सफल बनाने के लिए, सभी को सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। शिक्षा किसी की संपत्ति नहीं है। निहित स्वार्थों ने यह भावना फैलाई कि शिक्षा केवल एक वर्ग तक ही सीमित है। उन्होंने कहा कि अगर हम बदलाव लाना चाहते हैं, तो हमें शिक्षित होना होगा। आपको भी डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेसर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुम्हार समुदाय की मांगों पर जवाब देने के लिए कदम उठाए जाएँगे। समुदाय के लिए बीडीए साइट्स दिलाने के लिए सही फंडिंग की मांग पर पॉज़िटिव जवाब दिया जाएगा। कुंभारा डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सही फंडिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार कुम्हार कम्युनिटी के डेवलपमेंट के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय एकता और सद्भाव के लिए मूल्यवान शिक्षा आवश्यक है : राज्यपाल

मैसूर विश्वविद्यालय में हुआ 106वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा, आधुनिक ज्ञान को मूल्यों के साथ संयोजित करने वाली शिक्षा प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता बहुत महत्वपूर्ण है। मैसूर विश्वविद्यालय के 106वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति ने हमेशा विश्व बंधुत्व और विश्व शांति, समानता और सद्भाव को प्रेरित किया है। आधुनिक ज्ञान को मूल्यों के साथ एकीकृत करने वाली शिक्षा प्रणाली का विकास धर्म और संस्कृति के संरक्षण, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने, समाज में समानता और सद्भाव को बढ़ावा देने और विश्व को एक नई दिशा देने में सहायक होगा, साथ ही साथ समस्त मानवता के लिए लाभकारी भी होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा, यह वह युग है जब हम भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा शक्ति की अहम भूमिका है। आज की दुनिया तेजी से बदल रही है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ हमसे कौशल, बुद्धिमत्ता और नैतिक दृष्टिकोण की मांग करती हैं। ऐसे समय में युवाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

कर्नाटक राज्य ने ज्ञान, नवाचार और सुशासन के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। वर्तमान में, राज्य सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप संस्कृति और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देश में अग्रणी है। युवा भारत और कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में ज्ञान, कड़ी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज आपको प्राप्त होने वाली ये उपाधियाँ आपकी शैक्षणिक सफलता, शोध, अनुशासन और बौद्धिक उत्कृष्टता का प्रमाण हैं। उन्होंने आपसे आह्वान किया है कि आप अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ समाज, राष्ट्र और राज्य के समग्र विकास के लिए भी करें।

विश्वविद्यालय ने धर्म, संस्कृति, समाज, जन कल्याण और राष्ट्रीय कल्याण में उनके योगदान के लिए एस.वी. राजेंद्र सिंह बाबू, डॉ. टी. शाम भट और पी. जयचंद्र राजू को मानद उपाधियाँ प्रदान की हैं। दीक्षांत समारोह में मंत्री एमसी. सुधाकर, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ, कुलपति एन.के. लोकनाथ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एस-व्यासा यूनिवर्सिटी में 'अखिल भारतीय महिला योगासन चैंपियनशिप' का हुआ शुभारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय महिला योगासन चैंपियनशिप 2025-26 का औपचारिक उद्घाटन रविवार को आरआर नगर स्थित एस-व्यासा डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी में किया गया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन की शुरुआत का प्रतीक है।

एस-व्यासा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनके मंजुनाथ ने सभी का स्वागत किया। चैम्पियनशिप का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सीएनमंजुनाथ ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस-व्यासा के अध्यक्ष और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. एचआर नागेंद्र ने की। इस कार्यक्रम में कर्नाटक विधान परिषद के पूर्व सदस्य एमडी लक्ष्मीनारायण और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अपर सचिव गरिमा जैन भी विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थीं। अतिथि के तौर पर एआईयू ऑब्जर्वर हैदराबाद की डॉ. के. दिप्ला, एस-व्यासा (मानित) विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य रामचंद्र भट्ट, एस-व्यासा विश्वविद्यालय के प्रो डॉ. शिव शंकर साईं और रजिस्ट्रार डॉ. सोनी कुमारी भी कार्यक्रम में शामिल हुई।

कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर अतिथियों ने योग को एक ऐसे अनुशासन के रूप में महत्व दिया। उन्होंने कहा कि योज जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक एकाग्रता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एकीकृत करता है। उन्होंने स्वदेशी खेलों, समग्र शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्तमान में चल रही इस चैंपियनशिप में देशभर के 230 से अधिक विश्वविद्यालयों के 2,500 से अधिक महिला एथलीट भाग ले रही हैं। परिसर में विभिन्न मंचों पर पारंपरिक योगासन (टीम और व्यक्तिगत) के साथ-साथ कलात्मक और लयबद्ध योगासन की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

आधार शिला

सोमवार को कर्नाटक के कोप्पल जिले हितनाल में केन्द्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने हितनाल में आरओबी की आधारशिला रखी। सोमन्ना ने गिनिगेरा-मुनिराबाद सेक्शन के बीच स्थित हितनाल में लेवल क्रॉसिंग नंबर 77 की जगह रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) की आधारशिला रखी। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 6.97 करोड़ है, जिसका पूरा खर्च रेलवे उठाएगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. बी/टीआरडी. 2025-26/35 दिनांक: 30.12.2025 का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
बिड ट्रैक्शन सब-स्टेशन और डब्ल्यूएफडी ट्रैक्शन सब-स्टेशन के बीच 220/25केवी ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर्स की शिफि्टंग, ध्वसीकरण, परिवहन, निर्माण और कमीशनिंग सहित।	रु. 46,87,992.00/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 20.01.2026 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआर, बैंगलुरू

PUB/793/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या-ई-जीएसयू-ईएलई-2025-26-ओटी-जैम-02 दिनांक: 30.12.2025 का प्रकाशन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
1.	बेंगलुरू मंडल में 24 माह (दो वर्ष) की अवधि के लिए गति शक्ति/बेंगलुरू एवं एसोसिएट फाइनेंस के अधिकारियों/पर्यवेक्षकों के लिए आधिकारिक उपयोग हेतु वाहनों की हायरिंग।	रु. 3,48,25,244

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 21.01.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य विद्युत अभियंता, गति शक्ति यूनिट, बेंगलुरू

PUB/792/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

SOUTH WESTERN RAILWAY

Publication of Tender Notice No. 20-S&T/MYS/2025 & 2025-02 Dated. 29.12.2025

The undersigned, on behalf of the President of India, invites E-Tender for the following work.

SN	Item of work	Approx.Value
1	Enhancement of Dataloggers speed by providing additional front end processors (FEP), replacement of old version dataloggers with new version of Dataloggers & Proving of left out digital inputs of vital relays and analog volatges in datalogger and thereby improving the efficiency of datalogger over MYS division	Rs. 7158664.54
2	Construction of Track machine siding at Shivamogga Town, Sagara Jambagaru, Kumsi, Chikkamagaluru, Sakarayapatna, Molakalmuru & Ranibennur stations - 7 Nos.	Rs. 36697788.28

Last date for Submission of bids : Upto 15.00 hrs on 20.01.2026

For details log on : www.ireps.gov.in

Senior Divisional Signal & Telecommunication Engineer Mysuru

PUB/790/AAD360/PRB/SWR/2025-26

Download the UTS Moblie App from Google Play Store for ease of booking of unreserved tickets

South Western Railway - SWR | SWRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

मारवाड़ी समाज में उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने की अद्भुत क्षमता : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट2026 के अंतर्गत सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में 'डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश: भारत का अगला प्लेटफॉर्म स्केलेबल टेक और इनोवेशन' विषयक सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान ने तमाम भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद व्यापार, उद्योग और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज में चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने की अद्भुत क्षमता है, जिसने उद्योग और व्यापार को नई ऊँचाइयाँ दी हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों ही पड़ोसी राज्य निवेश, नवाचार और सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ दोनों राज्य एआई, टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर और आईटी सेक्टर में नए विकल्प के रूप में उभर रहे हैं, जिससे ये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षक केंद्र बन चुके हैं। डॉ. यादव ने कहा कि दोनों राज्यों की वर्तमान सरकारों के बीच आपसी संवाद और समन्वय से जल बंटवारे पर सहमति बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि भारत का अतीत गौरवशाली रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान युग भी स्वर्णिम युग बन रहा है, जहां प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी अपनी औद्योगिक नीतियों के माध्यम से औद्योगिक विकास के नए द्वार खोल रही है। राज्य में स्थापित हो रहे नए उद्योग रोजगार की व्यापक संभावनाएं सृजित कर रहे हैं। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट राज्य के डिजिटल नवाचार और उद्यमिता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्पष्ट विजन है कि डिजिटल तकनीक को सुशासन, रोजगार और आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। राज्य में ई-गवर्नेंस और डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही स्टार्टअप के लिए अनुकूल नीतियां बनाई गई हैं तथा युवाओं को स्किल डवलपमेंट से जोड़ा जा रहा है। यह समिट सरकार, उद्योग और स्टार्टअप के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है, जिससे राज्य के नवाचारों को वैश्विक मंच मिल रहा है।

सत्र में मध्यप्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव दुबे ने मध्यप्रदेश में निवेश-अनुकूल वातावरण की जानकारी दी। उन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी2025, आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति, ड्रोन प्रमोशन एंड यूसेज पॉलिसी2025, तथा स्पेस टेक्नोलॉजी एवं एवीजीसीएक्सआर पॉलिसी पर प्रकाश डालते हुए निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर जीसीसी क्लिनीसप्लाईज की निदेशक प्रेरिता बाहेती, यश टेक्नोलॉजी के सीएफओ धर्मेन्द्र जैन, इन्फोबीन्स टेक्नोलॉजीज के कोफाउंडर सिद्धार्थ सेठी, इम्पीटस टेक्नोलॉजीज के सीएफओ संजीव अग्रवाल एवं डाटा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के एमडी अजय डाटा ने भी मध्यप्रदेश के निवेशोन्मुखी वातावरण पर अपने अनुभव साझा किए।

पीएम विद्यालयों को आदर्श बनाने पर जोर, मुख्य सचिव ने दिए सख्त निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के विद्यालय परिसरों में उपलब्ध स्थान और संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए सोमवार को अधिकारियों को पीएम विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यहां शिक्षा संकुल में शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्रीनिवास ने प्रदेश की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पिछले माह नयी दिल्ली में पीएम विद्यालयों को लेकर आयोजित मुख्य सचिव सम्मेलन के क्रम में आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों के रूप में विकसित किया जाए, ताकि उनके शैक्षणिक, प्रशासनिक और आधारभूत ढांचे से जुड़े बेहतर प्रयोगों को अन्य राजकीय विद्यालयों में भी प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। उन्होंने विद्यालय परिसरों में उपलब्ध स्थान और संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। शिक्षा विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी 41 जिलों में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक जिले के दो-दो पीएम विद्यालयों का गहन निरीक्षण कराने के निर्देश दिए।

इसमें कहा गया, निरीक्षण के दौरान अधिकारी विद्यालयों में रात्रि विश्राम करेंगे और शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से संवाद स्थापित करेंगे। यह निरीक्षण कार्य आगामी 15 दिनों में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा, प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की सीखने की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए मातृभाषा आधारित शिक्षण को प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

उन्होंने स्कूली शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए अभिभावक-शिक्षक बैठकों में पिताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, बालिकाओं के लिए सुरक्षित और पर्याप्त शौचालय सुविधा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए इस कार्य को समयबद्ध रूप से आठ मार्च 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ियों को स्कूलों के साथ सह-स्थान पर स्थापित करने के निर्देश दिए।

'अपार' की विशिष्ट छात्र पहचान रजिस्ट्री को अभियान के रूप में लागू किया जाए, ताकि यह प्रणाली सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों प्रकार के स्कूलों में समान रूप से सटीक और प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। बैठक में पीएम विद्यालयों की मासिक रैंकिंग, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, 'मिशन स्टार्ट', 'मिड-डे मील' योजना, जिला रैंकिंग, प्रबल कार्यक्रम और विद्या समीक्षा केंद्र की गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सेना दिवस : जयपुर के महल रोड पर 15 को होगा परेड का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सेना दिवस के अवसर पर 15 जनवरी को जयपुर के महल रोड पर परेड का आयोजन किया जाएगा। यह पहला मौका होगा जब आम नागरिक इस परेड को देख सकेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत यहां चिकित्सा शिविर से हुई। सोमवार को सेना अस्पताल में सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिजनों के लिए चिकित्सा शिविर लगाया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शिविर की मुख्य अतिथि थीं।

इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा, दक्षिण पश्चिम कमान में लगभग 3.70 लाख पूर्व सैनिक और करीब सात लाख आश्रित परिजन हैं... शिविर में हड्डी और हृदय रोगों के बारे में विशेषज्ञ जानकारी देंगे। साथ ही ईसीजी और इको जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही मनजिंदर सिंह ने कहा, जयपुर में पहली बार परेड का आयोजन हो रहा है। वर्ष 2022 तक सेना दिवस पर यह परेड दिल्ली में आयोजित की जाती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना था कि यह परेड देश के विभिन्न स्थानों में आयोजित हों। इसके अंतर्गत परेड बेंगलुरु, लखनऊ और पूना में हुई।

उन्होंने कहा, अब यह परेड पहली बार आर्मी कैंट से बाहर आयोजित की जा रही है, ताकि आम जनता भारतीय सेना का साहस, शौर्य और पराक्रम को नजदीक से देख सके। यह परेड राजस्थान के युवाओं को देशभक्ति के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, सेना दिवस पर होने वाले आयोजनों में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को दर्शाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, सेना ने हमारी सीमाओं को पूरी तरह से सुरक्षित रखा है। हम आज घर पर सुरक्षित हैं क्योंकि हमारी सेना सीमा पर मुस्तैदी से तैनात है।

देवनानी से ब्रिटेन कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ नेता बॉब ब्लैकमैन ने की मुलाकात

भारत-ब्रिटेन संसदीय संबंधों को मिला नया आयाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद बॉब ब्लैकमैन ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से विधानसभा परिसर में शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात भारत और ब्रिटेन के बीच संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ब्रिटिश सांसद का स्वागत करते हुए राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली, परंपराओं और आधुनिक नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा की स्थापत्य कला बेजोड़ है और यह देश की अग्रणी विधानसभाओं में शामिल है, जहां डिजिटल विधानसभा, ई-विधान प्रणाली, विधायकों के डिजिटल हस्ताक्षर, संविधान गैलरी, वंदे मातरम गैलरी और कारगिल शौर्य वाटिका जैसे नवाचारों के माध्यम से लोकतंत्र को आधुनिक तकनीक और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ा गया है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं और सामाजिक समरसता की परंपरा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजस्थान केवल ऐतिहासिक धरोहरों के लिए ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभागीदारी के लिए भी जाना जाता है। इस अवसर पर ब्रिटिश सांसद को विधानसभा भवन और विभिन्न गैलरियों का अवलोकन कराया और राजस्थान की स्थापत्य कला पर विशेष चर्चा की गई ।

ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और संसदीय परंपराओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी संसदीय प्रणाली वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण प्रस्तुत करती है। ब्लैकमैन ने यह भी कहा कि भारत और ब्रिटेन की संसदीय व्यवस्थाओं में कई समानताएँ हैं और दोनों देशों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान से लोकतांत्रिक संस्थाओं को और सशक्त किया जा सकता है।

बैठक के दौरान भारतब्रिटेन ऐतिहासिक संबंधों, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य और भविष्य की साझेदारी पर भी चर्चा हुई। बॉब ब्लैकमैन ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रगति और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी प्रभावी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

बॉब ब्लैकमैन ने विधानसभा परिसर में किए गए नवाचारों को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास लोकतंत्र को जनसामान्य से जोड़ने में सहायक होते हैं और युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों से प्रेरित करते हैं। दोनों नेताओं ने विश्व शांति की दृष्टि से विश्व के वर्तमान हालातों तथा बढ़ते शहरीकरण से उत्पन्न पर्यावरण और स्वच्छता आदि समस्याओं पर चिंता व्यक्त की।

मुलाकात के अंत में दोनों पक्षों ने शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और संसदीय प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने विश्वास जताया कि इस तरह की अंतरराष्ट्रीय संसदीय मुलाकातें भारत की लोकतांत्रिक छवि को वैश्विक स्तर पर और मजबूत करेंगी, जबकि ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने राजस्थान की मेहमाननवाजी और आत्मीय स्वागत के लिए देवनानी का आभार जताया। देवनानी ने कहा कि बॉब ब्लैकमैन से हुई आत्मीय भेंट भारत-ब्रिटेन के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊर्जा एवं दिशा प्रदान करेगी।

भाजपा सरकार ने जनहितैषी योजनाओं को कमजोर किया : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बच्ची के इलाज में कथित देरी को लेकर सोमवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और उस पर जनहितैषी योजनाओं का कमजोर करने का आरोप लगाया। गहलोत ने इस घटना से जुड़ी खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, मंचों से 'राष्ट्रीय एकता' और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा जयपुर के एसएमएस अस्पताल की घटना ने उजागर कर दिया है। उन्होंने लिखा,जयपुर में करंट से झुलसी मध्यप्रदेश की एक बालिका को एसएमएस अस्पताल में केवल इसलिए घंटों इलाज नहीं मिला क्योंकि उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं था। यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,हमारी कांग्रेस सरकार ने 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना' इसलिए लागू की थी ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी राज्य का निवासी हो, बिना किसी कार्ड या पैसे के 72 घंटे तक पूर्णतः निःशुल्क आपातकालीन इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार का स्पष्ट मत था कि 'गोल्डन ऑवर' में डॉक्टर की प्राथमिकता मरीज की जान बचाना होनी चाहिए, न कि कागज जांचना। उन्होंने कहा कि बेहद दुखद है कि मौजूदा भाजपा सरकार ने इन जनहितैषी योजनाओं को कमजोर कर राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को पुनः कार्ड और शर्तों का मोहताज बना दिया है। कांग्रेस नेता के अनुसार राज्य सरकार इस मामले को नजीर बनाकर तुरंत संज्ञान ले और सुनिश्चित करे कि आपात स्थिति में किसी का भी इलाज कागजों की कमी से न रुके एवं मरीज की जान बचाना पहला लक्ष्य हो।

मेरी जीत हमेशा जीत में नहीं लिखी, मेरी जीत हार में लिखी है : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के दूसरे दिन सोमवार को मुख्य हॉल में फायरसाइट चैट की शुरुआत पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के सत्र के साथ हुई। 'लीडरशिप बियॉण्ड लेबल्स: वीमन, पावर एंड पब्लिक सर्विस' सत्र में महिला नेतृत्व, सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी, दृढ़ता और अनुशासन जैसे विषयों पर खुलकर अपनी बात रखी। टाई ग्लोबल के कन्वीनर महावीर प्रताप शर्मा से बातचीत करते हुए ईरानी ने अपने अनुभवों के आधार पर नेतृत्व की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाएं तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने अपने जीवन की यात्रा पर खुलकर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश किया और जीवन भर मल्टीटास्किंग की क्षमता विकसित की। उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों पर भी ईमानदारी से चिंतन किया और बताया कि इनसे उन्हें क्या सीख मिली। उन्होंने कहा कि उनकी जीत, जीत में नहीं, बल्कि हार में है। हार ने उनकी किस्मत लिखी है। उन्होंने कहा कि हार या जीत को महिला से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, यह लैंगिक समानता का विषय है। उन्होंने कहा कि अपना जीवन सार्वज्ञ्जनिक भलाई के लिए समर्पित किया है। चर्चा में ईरानी ने भारत में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों पर भी संवाद किया। उन्होंने लैंगिक समानता पर बात करते हुए महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों को समर्थन देने की अपनी प्रेरणा साझा की। उन्होंने कहा कि 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाएं नए भारत की उजली तस्वीर दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों का उद्देश्य 1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड बनाना है। ये पहलें महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसरों, पूंजी और मेंटरशिप तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उन्होंने एआई को लेकर अपने विचार रखते हुए कहा कि एआई एजेंट्स में इस तरह का डेटा भी ट्रेनिंग के लिए होना चाहिए, जो महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए उनके सर्वांगीण विकास को समानता के साथ आगे ले जा सके।

साहस, जोखिम और टीमवर्क से ही मिलती है सफलता : वीरेंद्र सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्टटाई ग्लोबल समिट 2026 के दूसरे दिन सोमवार को मुख्य हॉल में आयोजित फायरसाइड चैट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग का सत्र दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। 'नो फियर, नो लिमिट्स: लेसन्स फ्रॉम द वर्ल्ड्स मोस्ट एग्रेसिव ओपनर' विषय पर आयोजित इस संवाद सत्र में सहवाग ने खेल, स्टार्ट-अप, निवेश, नेतृत्व, टीमवर्क और जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि साहस और आक्रामक सोच के बिना न तो खेल में और न ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। टाई ग्लोबल के कन्वीनर महावीर प्रताप शर्मा से संवाद करते हुए सहवाग ने कहा कि भारत में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं, आवश्यकता केवल प्रतिभाओं की पहचान, उन्हें तराशने और सही मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने कहा कि जोखिम लेना हर क्षेत्र में जरूरी हैचाहे वह क्रिकेट हो, स्टार्ट-अप हो या निवेश।

सहवाग ने कहा कि किसी भी टीम या संगठन की सफलता का आधार टीम में विश्वास, पारस्परिक सहयोग और सकारात्मक नेतृत्व होता है। हर कंपनी को अपने कर्मचारियों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आलोचना से घबराने के बजाय अपने प्रदर्शन से उसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने नेतृत्व और कार्यस्थल संस्कृति पर बोलते हुए कहा, 'बॉसबॉस होता है, लेकिन कठिन समय में यदि आप अपने बॉस का साथ देते हैं, तो समय आने पर वह भी आपकी मदद करता है।' छोटी-छोटी रणनीतियों से बड़ी चुनौतियों को जीता जा सकता है।

आईपीएल के प्रभाव का उल्लेख करते हुए सहवाग ने कहा कि इसके बाद विदेशी खिलाड़ियों के नजरिये में बदलाव आया है और अब स्लेजिंग जैसी प्रवृत्तियां कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारत का समय आ चुका है, हालांकि टेस्ट और वनडे क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे। भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि टी-20 के बाद टी-10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है। स्टार्ट-अप और निवेश पर बोलते हुए सहवाग ने कहा कि जोखिम लिए बिना प्रगति संभव नहीं है, लेकिन जोखिम नपातुला और समझदारी से लिया जाना चाहिए।

हाड़ौती में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनने की अपार संभावनाएं : ओम बिरला

कोटा/दक्षिण भारत। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हाड़ौती क्षेत्र को 'जल, वन, विरासत और संस्कृति का एक अनूठा संगम' बताते हुए क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। बिरला ने कोटा के सिटी पार्क में आयोजित तीन दिवसीय 'हाड़ौती ट्रैवल मार्ट' के समापन समारोह में कहा कि दक्षिण-पूर्वी राजस्थान स्थित इस क्षेत्र की अपनी एक अनूठी पहचान है। उन्होंने कहा कि देश भर के ट्रैवल एजेंट और होटल संचालकों की व्यापक भागीदारी इस क्षेत्र की पर्यटन क्षमता में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।

बिरला ने कहा कि चंबल सफारी, ऐतिहासिक किले, बावड़ियां और धार्मिक स्थल जैसे आकर्षण इस क्षेत्र को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मार्ट के दौरान हुई चर्चाओं से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, हाल के दिनों में हुई बातचीत और व्यापक भागीदारी ने इस 'ट्रैवल मार्ट' को सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बना दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का हाड़ौती से गहरा संबंध है और उन्होंने स्वयं चंबल सफारी का अनुभव किया है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया था कि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हाड़ौती में विकास के लिए सभी आवश्यक तत्व मौजूद हैं और यह एक सशक्त पर्यटन स्थल बनने के लिए तैयार है। शेखावत ने कहा था कि नए पर्यटन स्थलों का विकास करते समय, विशिष्ट विशेषताओं को प्रस्तुत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाड़ौती में पर्यटकों को जो चाहिए वह सब मिलता है और यहां पानी, जंगल और भूमि की समान उपलब्धता इस क्षेत्र को विशेष बनाती है। इस आयोजन में 26 राज्यों के लगभग 600 टूर ऑपरेटरों ने भाग लिया।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, अनेक इलाकों में घना कोहरा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और सोमवार सुबह कई जगह घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आने तथा घना कोहरा छाए रहने का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम केंद्र जयपुर ने सोमवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा दर्ज किया गया। इस दौरान कहीं कहीं शीत दिन और अति शीतदिन दर्ज किया गया। इस दौरान न्यूनतम तापमान वनस्थली में 4.1 डिग्री सेल्सियस, सिरोही, दौसा व गंगानगर में 5.4 डिग्री, सीकर में 5.5 डिग्री, पाली में 5.6 डिग्री और अजमेर में 5.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी जयपुर के कई इलाकों में सुबह धुंध छाई रही। बीकानेर, कोटा तथा उदयपुर संभाग में अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा। तापमान में गिरावट और धूप नहीं निकलने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। प्रशासन ने शहरों में कई जगह 'रैन बसेरे' बनाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की और गिरावट आ सकती है।

नेहरू, वामपंथी इतिहासकारों ने गजनी को 'महज लुटेरा' बताकर इतिहास को विकृत किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर के पहले विध्वंस की 1,000वीं बरसी पर सोमवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह दिन ये याद रखने और समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि कैसे जवाहरलाल नेहरू और वामपंथी इतिहासकारों ने मुस्लिम आक्रमणकारी को केवल एक ''लुटेरा'' बताकर और यह दिखाकर कि वह ''धार्मिक कट्टरपंथी'' नहीं था, इतिहास को विकृत किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मंदिर के पुजारियों और तत्कालीन राजा ने महमूद गजनी से लाखों सोने के सिक्कों के बदले 'शिवलिंग' को छोड़ने की विनती की थी, लेकिन उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और यह कहते हुए उसे तोड़ दिया कि वह मूर्ति पूजकों के साथ व्यापार करने वाले घृणित व्यक्ति के बजाय मूर्तिभंजक के रूप में पहचान पाना चाहता है।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, महमूद गजनी के साथ रहे एक इतिहासकार ने अपने लेखन में इस घटना का जिक्र किया है। इससे वामपंथी इतिहासकारों और अन्य लोगों के इतिहास को विकृत करने वाले सभी सिद्धांत ध्वस्त हो जाते हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि वामपंथी इतिहासकारों ने महमूद गजनी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया जो धार्मिक कट्टरपंथी नहीं था और वह भारत में केवल लूटपाट के उद्देश्य से आया था। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे इतिहास में यह पढ़ाया जाता है कि महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर में जो कुछ भी किया वह केवल धन कमाने के लिए था और इसका उसकी धार्मिक भावनाओं से कोई लेना-देना नहीं था। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखित पुस्तक 'द डिस्कवरी ऑफ इंडिया' महमूद गजनी के आक्रमण और सोमनाथ मंदिर पर हमले से संबंधित इतिहास में की गयी हर तरह की छेड़छाड़ का स्रोत है। उन्होंने कहा, नेहरू ने अपनी पुस्तक में कहा है कि महमूद गजनी एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति से कहीं अधिक एक योद्धा था। अन्य कई विजेताओं की तरह, वह भी अपनी विजय के लिए धर्म के नाम का दुरुपयोग करता था। भारत उनके लिए महज एक ऐसी जगह थी जहां से वे धन संपदा अर्जित कर सकते थे। भाजपा नेता ने कहा, नेहरू ने लिखा कि महमूद गजनी कला का इतना बड़ा प्रेमी था कि मथुरा से दिल्ली तक की इमारतों की सुंदरता और वास्तुकला को देखने के बाद उसने अभिभूत होते हुए कहा कि इन्हें मनुष्यों ने नहीं बल्कि 'जिन्नों' ने बनाया होगा। त्रिवेदी ने कहा, इसीलिए आज के दिन को याद करना महत्वपूर्ण है ताकि यह समझा जा सके कि भारत के सम्मान और पहचान के साथ किस प्रकार घिनौना मजाक किया गया था।

झांसी में महिला ऑटो चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क हादसे में मौत

परिजनों को हत्या का अंदेशा

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक ऑटो रिक्शा पलटने से महिला चालक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच, महिला के परिजनों ने लूट के लिए हत्या का अंदेशा जताया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि रविवार रात स्टेशन रोड पर एक ऑटो पलटने से महिला चालक अनीता चौधरी (35) की मौत हो गई। प्रथम दृष्ट्या यह सड़क दुर्घटना प्रतीत होती है परंतु मृतका के परिजनों ने आशंका व्यक्त की है।

सीओ ने बताया कि इस संबंध में जांच की जा रही है और कुछ भी संदिग्ध पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने महिला के जेवरात एवं फोन गायब होने के कारण लूट एवं हत्या की आशंका व्यक्त की है। तालपुरा इलाके की रहने वाली अनीता ने करीब पांच साल पहले शहर में ऑटो चलाना शुरू किया था। इससे पहले कोई महिला झांसी में ऑटो नहीं चलाती थी। आज करीब आधा दर्जन महिलाएं ऑटो एवं बैटरी रिक्शा चलाकर परिवार चला रही हैं। परिजनों ने बताया कि बीती देर शाम अनीता चौधरी ऑटो लेकर काम पर निकली थी और आज तड़के दो बजे सूचना मिली कि उसका ऑटो स्टेशन रोड पर पलट गया है और सिर में लगी चोट के कारण अनीता की मौत हो गई।

मणिपुर के बिष्णुपुर में विस्फोट में दो लोग घायल

इंफाल/भाषा। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सोमवार सुबह एक के बाद एक हुए दो विस्फोट में दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पहला विस्फोट सुबह लगभग पौने छह बजे फौगाकचाओ थाना क्षेत्र के न्गाउकॉन इलाके में एक खाली पड़े मकान में हुआ और ऐसा संदेह है कि इसमें 'इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने बताया कि मणिपुर में मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से यह मकान खाली पड़ा था, क्योंकि इसके मालिक अपने परिवार के सदस्यों के साथ एक राहत शिविर में रह रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, दूसरा विस्फोट सुबह करीब पौने नौ बजे उक्त मकान से लगभग 200 मीटर की दूरी पर हुआ, जहां स्थानीय लोग पहले विस्फोट की खबर सुनकर इकट्ठा हुए थे। पुलिस ने बताया कि इस विस्फोट में सानाटोंबा सिंह और इंदुबाला देवी नाम के दो स्थानीय लोग घायल हो गए तथा उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों विस्फोट स्थल का निरीक्षण किया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

शादी के बाद खुला पति के 'गंजा' होने का राज, महिला ने दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। नोएडा के बिसरख क्षेत्र में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने शादी के बाद पति के गंजा होने की बात पता चलने पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने पति के अलावा ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके आधार पर पति संयम जैन, ससुर संजय जैन, सास सुषमा जैन, जीजा कुणाल जैन और मामा हेमंत जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गौर सिटी एवेन्यू-एक निवासी लविका गुप्ता ने रविवार को शिकायत दर्ज कराई जिसमें बताया कि उसकी शादी 16 जनवरी 2024 को दिल्ली के राणा प्रताप बाग निवासी संयम जैन से हुई थी। उन्होंने बताया कि महिला ने आरोप लगाया है कि शादी से पहले कई अहम तथ्यों को उनसे छिपाया गया।

सिंह ने कहा, ''महिला का आरोप है कि उनके पति पूरी तरह गंजे हैं और नकली 'हेयर पैच' (कृत्रिम बाल) का इस्तेमाल करते हैं, जबकि विवाह के समय बताया गया था कि उनके घने बाल हैं।'' पुलिस के मुताबिक, महिला ने पति की शैक्षिक योग्यता और आय के बारे में भी जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि शादी के बाद से ही पति उसे ब्लैकमेल करता रहा और मोबाइल फोन से निजी तस्वीरें निकालकर उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देता था।

दक्षिण कोरियाई नागरिक की हत्या के आरोप में प्रेमिका गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थानाक्षेत्र में पुलिस ने अपने प्रेमी दक्षिण कोरियाई नागरिक की कथित रूप से हत्या करने को लेकर एक युवती को सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को रविवार को 'जिम्स' अस्पताल से एक सूचना मिली कि दक्षिण कोरिया के नागरिक डक ही युह (47) को घायल अवस्था में लुन्जिना पामी (20) नामक एक महिला ने अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसकी बाद में मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि भर्ती कराने वाली महिला उसकी पत्नी नहीं, दोस्त है।

पुलिस के अनुसार जांच में पता चला कि दक्षिण कोरियाई नागरिक की उसकी महिला मित्र पामी ने चाकू से हमला कर हत्या की है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पामी मणिपुर के बिशनपुर की रहने वाली है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान पामी ने बताया है कि डक शराब पीकर उसके साथ गाली-गलौज एवं मारपीट करता था तथा उसे हेय दृष्टि से देखता था। युवती के अनुसार, डक से उसकी मुलाकात गुरुग्राम स्थित एक पब में हुई थी और फिर दोनों में दोस्ती हो गयी तथा वे लिव इन संबंध में रहने लगे। पुलिस ने युवती को अदालत में पेश किया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प. बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर में देवी सरस्वती की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किया गया : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में देवी सरस्वती की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। अधिकारी ने फेसबुक पोस्ट में दावा किया कि रविवार रात महिषादल में गरकमलपुर की कटहल पट्टी में स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सरस्वती पूजा 23 जनवरी को मनायी जायेगी।

अधिकारी ने कहा कि बार-बार तोड़फोड़ किए जाने से मूर्तिकारों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने दावा किया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में पहले भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि कि यही वजह है कि ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ये घटनाएं हिंदुओं पर हमले के समान हैं।

उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों को लेकर उसकी आलोचना की। उन्होंने प्रशासन से तत्काल इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस या राज्य सरकार की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिहार में दलाल और माफिया को बख्शा नहीं जाएगा : विजय सिन्हा

पटना/भागलपुर/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में दलालों और भू-माफियाओं की किसी भी प्रकार की संलिप्तता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिन्हा ने भागलपुर में भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में कहा कि विभाग का यह संवाद अब केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भूमि से जुड़ी आम जनता की समस्याओं के समाधान का एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस संवाद का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का नियमसम्मत समाधान सुनिश्चित करना है।

एसआईआर के दौरान 'अमानवीय' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए ''अमानवीय'' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी।

दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''यदि अनुमति मिली तो मैं भी उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं।''

हालांकि, बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी, राज्य सरकार द्वारा दायर की जाएगी या तृणमूल कांग्रेस द्वारा। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को ''मनमाने ढंग से'' हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्ग नागरिकों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया, अगर कोई भाजपा नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे, तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ कथित भेदभाव का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं उन्हें मुझे जान से मारने की चुनौती देती हूं, लेकिन मैं अपनी मातृभाषा बोलना बंद नहीं करूंगी।

नई शिक्षा नीति संघीय व्यवस्था के खिलाफ: डेरेक ओ'ब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने आईसीएसई-आईएससी स्कूल के प्रधानाचार्यों से एकजुट होकर नई शिक्षा नीति (एनईपी) का विरोध करने का सोमवार को आह्वान किया और आरोप लगाया कि यह नीति संघीय ढांचे के खिलाफ है एवं राज्यों या प्रमुख हितधारकों से परामर्श किए बिना तैयार की गई।

स्कूल प्रमुखों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ओ'ब्रायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने भारत के संघीय ढांचे को कमजोर कर दिया है क्योंकि इसे तैयार किए जाने के दौरान ''किसी भी राज्य से परामर्श नहीं किया गया।'' तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों की अपनी-अपनी राज्य शिक्षा नीतियां हैं। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2023 में राज्य शिक्षा नीति लागू की, जबकि तमिलनाडु की नीति और कर्नाटक की मसौदा नीति 2025 में जारी की गई।'' उन्होंने कहा कि हितधारकों के साथ परामर्श की कमी के कारण स्कूलों के लिए एनईपी से जुड़ी परियोजनाओं का कार्यान्वयन मुश्किल हो गया है।

ओ'ब्रायन भारत में एंग्लो-इंडियन स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के संघ के 103वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम कोलकाता के ला मार्टिनियर गर्ल्स स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें 3,000 से अधिक आईसीएसई-आईएससी स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अल्पसंख्यक-संचालित शैक्षणिक संस्थानों के प्रशासन के मुद्दे पर, तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का अधिकार देता है लेकिन यह एनईपी की केंद्रीकरण प्रवृत्ति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है।

ओडिशा के भद्रक में भीषण आग में 20 झोपड़ियां जलकर खाक, 120 मवेशियों की मौत

भद्रक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में भीषण आग लगने से 20 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं और लगभग 120 मवेशियों की जान चली गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार देर रात तिहिड़ी थाना क्षेत्र के छत्रपड़ा गांव में हुई।

हालांकि, इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग की चपेट में आकर करीब 100 बकरियों समेत 120 मवेशियों की मौत हो गई और कई परिवार बेघर हो गए।

पीड़ितों ने बताया कि पास-पास बनी झोपड़ियों में आग तेजी से फैल गई जिससे लोगों को अपना सामान बचाने के लिए पर्याप्त मौका तक नहीं मिल पाया।

पुलिस के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुरुआती चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हुई।

दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई, लेकिन जब तक दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, तब तक अधिकांश झोपड़ियां जलकर राख हो चुकी थीं।

तिहिड़ी के तहसीलदार जयद्रथ आचार्य और सांसद अविमन्यु सेठी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रभावित इलाके का दौरा किया।

बिहार की बहन-बेटियों की कीमत लगाना बंद करे भाजपा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की बेटियों के बारे में उत्तराखंड की भाजपा सरकार की मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू के बयान की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में राजेश राम ने प्रेसवार्ता में कहा कि संघी मानसिकता से ग्रस्त ऐसे राजनीतिक तत्व लगातार बिहार की बहन-बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भारतीय जनता पार्टी की संस्कृति बन चुकी है कि जो जितना भड़काऊ बयान देगा और महिलाओं का अपमान करेगा, उसे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ऐसे बयानों की कड़ी निंदा करती है और आने वाले समय में इस मुद्दे पर सड़क से विधानमंडल तक विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा नेताओं को बिहार की बहन-बेटियों के अपमान का लाइसेंस किसने दे दिया है। राजेश राम ने मांग की कि यदि प्रधानमंत्री वास्तव में बहन-बेटियों की अस्मिता की रक्षा को लेकर गंभीर हैं, तो अविलंब संबंधित मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए और उनके पति को भाजपा से निष्कासित किया जाए।

प्रदेश कांग्रेस ने पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार के आरोपों के बावजूद भाजपा द्वारा बृज भूषण शरण सिंह, कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य नेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई न करना पार्टी के असली चरित्र को उजागर करता है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दंडित करने के बजाय ऐसे नेताओं को संरक्षण देना भाजपा की नीति को दर्शाता है। राजेश राम ने कहा कि जब बिहार की बेटियां मीडिया, राजनीति और प्रशासनिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तब कुछ लोग भयभीत होकर राज्य की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने शुरू से ही बिहार की महिलाओं का अपमान किया है और उत्तराखंड भाजपा नेता का बयान भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

पूजा अर्चना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को देवघर में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) से बातचीत की और दुमका के बासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सविता पूनिया की नजरें एशियाई खेल स्वर्ण के जरिये ओलंपिक क्वालीफिकेशन पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की नजरें खेल को अलविदा कहने से पहले इस साल एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने पर लगी हैं । सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं ।

राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने पीटीआई से कहा ,'' मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है । सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं । एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक ।'' उन्होंने कहा ,'' अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती । मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही । मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी । अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालीफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े ।'' हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए खेल रही सविता ने कहा कि वह एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगी । उन्होंने कहा ,'' मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है । मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है । हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढाने के लिए हूं ।''

गोलकीपर सविता सविता ने कहा ,'' विश्व कप क्वालीफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है । यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है ।''

टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर आ सकता है : वीरेंद्र सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारत के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने सोमवार को आईपीएल के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद विदेशी खिलाड़ियों के नजरिये में बदलाव आया है और छींटाकशी जैसी प्रवृत्तियां कम हुई हैं। सहवाग ने कहा कि टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है।

सहवाग ने यहां 'राजस्थान डिजिफेस्टटाई ग्लोबल समिट 2026' के दूसरे दिन दर्शकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। 'नो फियर, नो लिमिट्स: लेसन्स फ्रॉम द वर्ल्ड्स मोस्ट एग्रेसिव ओपनर' विषय पर आयोजित इस संवाद सत्र में सहवाग ने कहा, ''साहस और आक्रामक सोच के बिना ना तो खेल में और ना ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। भारत में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं, आवश्यकता केवल प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें तराशने और सही मार्गदर्शन देने की है।''

सुविचार

समय एक सिक्के की तरह है किसी दूसरे को इसे खर्चने का मौका मत दो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किस राह पर ईरान?

ईरान में मुद्रा के पतन और लोगों के बढ़ते असंतोष ने सरकार और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए मुसीबतें बढ़ा दी हैं। वेनेजुएला की तरह इस देश में भी तेल के बड़े भंडार हैं, लेकिन डॉलर के मुकाबले मुद्रा में बड़ी गिरावट आ गई है। क्या ईरान भी वेनेजुएला की राह पर चल रहा है? इस देश के तेल और गैस भंडार नागरिकों का कोई भला नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, सर्वोच्च नेता का रुख अपने नागरिकों के लिए सख्त होता जा रहा है। विरोध प्रदर्शनों में कई लोगों की मौत हो गई है। ईरान किस दिशा में जा रहा है, यह जानना हो तो उसके प्रमुख अखबारों का पहला पन्ना देखना काफी होगा। इसकी सरकार ने पूरा जोर इजराइल को तबाह करने पर लगा रखा है। इसके बावजूद इजराइल उन्नति कर रहा है, क्योंकि उसके पास विज्ञान की शक्ति है। ईरान हिज़्बुल्लाह, हमास समेत दर्जनों कट्टरपंथी संगठनों का सहयोग करता है। वह अपने नागरिकों की भलाई की अनदेखी करता रहा है। मनमाने तरीके से परमाणु कार्यक्रम चलाने की कोशिश उसे इस मुकाम तक लेकर आ गई है, जहां कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अगर ईरान ने टकराव की जगह संवाद का रास्ता अपनाया होता तो आज उसकी अर्थव्यवस्था बहुत बेहतर होती। इस देश में लोगों का असंतोष भड़क रहा है। हालांकि इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं हैं। ईरान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़ा पहरा है। पुलिस तथा सरकारी एजेंसियां आम नागरिकों पर अत्याचार करती हैं और जवाबदेही से बचती हैं। याद करें, महसा अमीनी के साथ क्या हुआ था? उनके लिए आवाज उठाने वाली सैकड़ों महिलाओं के साथ कैसा सलूक किया गया था?

मानवाधिकारों के मामले में ईरान का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। वहां से हर एक-दो हफ्ते में लोगों को फांसियां देने की खबरें आती ही रहती हैं। ईरान पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद उसने अपना मजबूत तंत्र विकसित नहीं किया। वेनेजुएला की तरह खेती की उपेक्षा की। वहां युवाओं में बेरोज़गारी एक बड़ी समस्या है। सरकार अपने खर्चे पूरे करने के लिए नोट छापती रहती है, जिससे मुद्रास्फीति को पंख लग गए हैं। ईरान में लोगों का सरकार से भरोसा कमजोर हुआ है। खासकर व्यापारी वर्ग बहुत परेशान है। डॉलर के मुकाबले ईरानी मुद्रा इतनी अस्थिर हो गई है कि चीजों के दाम बेकाबू होते जा रहे हैं। कोई व्यापारी आज जिस कीमत पर सामान खरीदता है, कल उसकी कीमत बहुत ज्यादा बढ़ सकती है। वह इसका भार ग्राहकों पर डालता है। इससे लोगों की क्रय शक्ति घट रही है और महंगाई बढ़ रही है। जब रोजगार न हो, खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हों, किराया देना बूते से बाहर हो और सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाकर (इजराइल के खिलाफ) पुरानी कहानियां सुनाने में ही व्यस्त हो तो आम लोग क्या करेंगे? अगर ईरान ने समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। ईरान गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी समेत कई शहरों में पेयजल की किल्लत हो गई है। कई जल स्रोत सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। खेती में सिंचाई के पुराने तरीकों से बहुत ज्यादा भू-जल की निकासी हो रही है। इजराइल ने वर्षों पहले इस समस्या का समाधान ढूंढ़ लिया था। वह समुद्र के खारे पानी को पेयजल में बदलने की तकनीक डिसेलिनेशन अपनाने में अग्रणी है। उसने नेशनल वाटर कैरियर नामक पाइप और नहर प्रणाली के जरिए दूर-दराज के इलाकों तक पेयजल पहुंचाया। इजराइल ने ड्रिप इरिगेशन अपनाकर रेगिस्तान को उपजाऊ बना दिया। ईरान को अपना रवैया बदलकर नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित करना चाहिए। हर समस्या के लिए इजराइल को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

ट्वीटर टॉक

आखिर, ट्रंप से मोदी इतना डरते क्यों हैं? ट्रंप के मुताबिक भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया, क्योंकि मोदी उन्हें (ट्रंप) खुश करना चाहते हैं। मोदी जानते हैं कि ट्रंप खुश नहीं है.. और ट्रंप को खुश करना जरूरी है। क्या भद्द पिट रही है विदेश नीति की.. ट्रंप खुलेआम धमका रहा है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने, जयपुर में 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, हम सभी के प्रेरणा-स्रोत आदरणीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और जनसेवा के प्रति अद्वितीय समर्पण का प्रतीक रहा है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

देने का आनंद

अमेरिकी प्रवास में भ्रमण करने एवं भाषणों के बाद स्वामी विवेकानन्द अपने निवास स्थान पर आराम करने के लिए लौटे हुए थे। उन दिनों वे अपने ही हाथों से भोजन बनाते थे। वे भोजन करने की तैयारी कर ही रहे थे कि कुछ बच्चे उनके पास आकर खड़े हो गए। उनके अच्छे व्यवहार के कारण अक्सर बच्चे उनके पास आते थे। वे सभी बच्चे भूखे लग रहे थे। स्वामी जी ने अपना सारा भोजन बच्चों में बांट दिया। वहीं पर एक महिला बैठी ये सब देख रही थी। उसने बड़े ही आश्चर्य से पूछा, 'आपने अपनी सारी रोटियां तो इन बच्चों को दे डाली, अब आप क्या खाएंगे?' स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, 'माता! रोटी तो मात्र पेट की ज्वाला शांत करने वाली वस्तु है। यदि इस पेट न सही तो उनके पेट में ही सही। आखिर ये सब भगवान के अंश ही तो हैं। देने का आनंद, पाने के आनंद से बहुत बड़ा है।'

वेनेज़ुएला संकट | सामयिक

अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

वेनेज़ुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेज़ुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेज़ुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे. हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेज़ुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेज़ुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी

अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेज़ुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेज़ुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेज़ुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेज़ुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेज़ुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेज़ुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

> **वेनेज़ुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को।**

नजरिया

एक खतरनाक चुप्पी

डॉ. कृष्णा अनुराग

पड़ोसी देश बांग्लादेश रह रह कर हिंसा की आग में जल रहा है। कारण अनेक हैं और समाधान स्पष्ट नहीं। ऐसे में अनेक रणनीतिकारों का मानना है कि अभी भारत में आजादी के बाद की सबसे मजबूत सरकार है, इसके बावजूद आज भारत और बांग्लादेश के रिश्ते सबसे निम्नतम स्तर पर हैं। स्वाभाविक है इस पर विचार करना जरूरी है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जिस बांग्लादेश को भारत ने दशकों तक सबसे अधिक मदद की, वही बांग्लादेश न केवल भारत का दुश्मन बन बैठा है, बल्कि अपने ही देश के हिंदुओं को बांग्लादेशी इस कदर प्रताड़ित कर रहे हैं मानो वे आतंकवादी हों। ताजा मामला है दीपू चंद्र दास की बर्बरतापूर्ण मॉब लिंचिंग का। इसे स्पष्ट कर देना जरूरी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या का यह पहला मामला नहीं है। हाल-फिलहाल में ऐसी कई घटनाएं घटी हैं जो बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है कि आज जब ऐसी हिंसक गतिविधियाँ सरकार की नाक के नीचे अंजाम दी जा रही हैं तो सरकार के मुखिया वे हैं जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार' से नवाजा जा चुका है। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद युनुस को वर्ष 2006 में उक्त पुरस्कार से नवाजा गया था। आज जब उनके कार्यकाल का लगभग डेढ़ वर्ष बीत चुका है तब भी स्थितियां नहीं सुधरी हैं और ऐसे में भी वे अपने पद पर बने हुए हैं, यह उनका नैतिक पतन नहीं तो और क्या है?

शेख हसीना के विरोध में भी जब पूरा बांग्लादेश तथाकथित क्रांति की आग में जल रहा था तब अगर किसी समुदाय का सबसे अधिक नुकसान हुआ तो वह हिन्दू समाज ही था। यह अफसोसजनक है कि जिस देश के निर्माण और स्वतंत्रता में हिंदुस्तान ने सामरिक रूप से अहम भूमिका निभाई, उसके प्रति आज वहाँ के बाशिंदों में एक नकारात्मक धारणा को रणनीतिक रूप से भरा जा रहा है।निश्चित रूप से इसे भारत की हार के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि लंबे समय से भारत ने सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से बांग्लादेश की मदद की लेकिन अपने पक्ष में वहां की जनता के हृदय में नैरेटिव नहीं गढ़ सका। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश में पिछले कुछ वर्षों से जो गृह युद्ध जैसे हालात बन गए हैं उनमें हिंदू धर्म से जुड़े लोगों को ही सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उनके प्रार्थना स्थलों को तोड़ा जा रहा है। अभी कुछ दिनों पहले ही दक्षिण एशियाई देश नेपाल में भी वहां के शासन के विरोध में जबरदस्त आंदोलन हुआ। आंदोलन इतना भीषण था कि वहाँ भी तख्तापलट हुआ लेकिन महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि उस आंदोलन में किसी भी धर्म विशेष से जुड़े लोगों के साथ अमानुषिक बर्ताव नहीं किया गया। यह विचारणीय पहलू है कि ऐसी घटनाएं मुसलमान बहुल देशों में ही हो रही हैं।

यह प्रामाणिक तथ्य है कि जब बांग्लादेश 19%1 में आजाद हुआ था तब वहाँ हिंदुओं की आबादी करीब 22 फीसदी थी, आज 2025 में वहाँ हिंदुओं की आबादी घट कर करीब 8 फीसदी रह गई है। ये आंकड़े निश्चित रूप से न केवल भयावह हैं बल्कि खतरे की घंटी बजाते हैं। इस सच को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि बांग्लादेश के तीनों ओर भारतीय भूभाग है और उसकी दक्षिणी सीमा समुद्र से मिलती है। अब जब खुलेआम बांग्लादेश के उस्मान हादी जैसे नए नेता इस बात की घोषणा करते हैं कि जल्दी ही बांग्लादेश को ग्रेटर बांग्लादेश' में तब्दील किया जाएगा तो भय होना स्वाभाविक है। वे ग्रेटर बांग्लादेश का जो नक्शा दिखाते हैं उसमें भारत के ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार सहित पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को शामिल करते हैं। ऐसा लगता है कि भारत सरकार अभी तक इस मुद्दे को बहुत शांति से सुलझाने की कोशिश में लगी हुई है लेकिन कभी-कभी अत्यधिक चुप्पी और शांति समस्याओं का कारण भी बनती है। बांग्लादेश में जो हो रहा है वह मानवीय त्रासदी है। यह सच है कि भारत सरकार बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे सकती है लेकिन इसके बावजूद जब धर्म विशेष के आधार पर अनेक लोगों को मारा जाए, उनके मंदिरों को नेस्तनाबूद किया जाए तो मानवीय दृष्टि से भारत सरकार को इस विषय पर अपने स्तर से हस्तक्षेप करना चाहिए। हिंदुओं की सबसे बड़ी

आबादी भारत में है, यह सर्वविदित है। बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा की नैतिक जिम्मेदारी भारत सरकार पर है।

यहाँ इस तथ्य को समझना आवश्यक है कि अब तक बांग्लादेश हिंसा में सैकड़ों हिंदुओं की हत्याएं और घटनाएं आन रिकॉर्ड हैं। यह समझना भी आवश्यक है कि आज बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उसमें विश्व की तमाम शक्तियां अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रही हैं। अमरीका, चीन, पाकिस्तान सब के अपने स्वार्थ हैं। बांग्लादेशी युवा न तो इस बात को समझ पा रहे हैं न युनुस सरकार उन्हें यह समझने देना चाहती है। बांग्लादेश के युवा उस जियोपोलिटिक्स को समझ ही नहीं पा रहे हैं जिसके शिकार वे हो चुके हैं। बांग्लादेशी हुक्मरान यही चाहते हैं कि इस गृहयुद्ध को धार्मिक लड़ाई का रंग दे दिया जाए। अगर इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई है कि बांग्लादेश के क्रांतिकारी नेता उस्मान हादी की हत्या में भारत की संलिप्तता है तो इसमें बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं का क्या दोष है? क्या हिन्दू होना इस बात की पुष्टि करता है कि वह व्यक्ति दिल से भारतीय है? जबकि यह तो सच है कि विभाजन के बाद किसी भी हिन्दू ने भारत की नागरिकता छोड़ कर बांग्लादेश की नागरिकता नहीं ली है, ऐसे में बांग्लादेश में वे ही हिन्दू रहते हैं, जिनके पूर्वजों ने गर्व और गौरव के साथ बांग्लादेश में रहना स्वीकार किया था। यह निश्चित ही हृदय विदारक है कि धर्म के कारण आज बांग्लादेश में हिंदुओं के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। सवाल यह भी उठता है कि अगर बांग्लादेशी युवा भारत सरकार से नफरत करते हैं तो क्यों नहीं वे अपनी सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने के लिए बाध्य करते हैं? ऐसी ही स्थिति नब्बे के दशक में कश्मीर की भी थी। वहां के लोगों का यह मानना था कि उन के जीवन में जो उथल-पुथल मची है, उसकी जिम्मेदार भारत सरकार है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि आक्रोशित कश्मीरी जिन्होंने आतंक का दामन थाम लिया था वे भारत सरकार से सवाल नहीं कर रहे थे, न ही उनसे दो-दो हाथ करने में उनकी कोई दिलचस्पी थी। वे सीधे-सीधे इसके लिए अल्पसंख्यक कश्मीरी हिंदुओं को जिम्मेवार मान रहे थे और उन्हें ही टारगेट कर रहे थे। कश्मीर में भी हिंदुओं को चुन-चुन कर उसी तरह से मारा जा रहा था, जिस तरह से आज बांग्लादेश में उन्हें मारा जा रहा है। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि टकराव किसी और से हो और उसकी सजा किसी और को मिले। हिन्दू होने का यह अर्थ तो नहीं कि जहाँ भी किसी संगठन, देश आदि का भारत से टकराव हो तो सबसे पहले हिंदुओं को ही निबटाया जाए। हिंदी में एक कहावत है मुर्गी पर तोप छोड़ना', दीपू चंद्र दास जैसे कुछ हिंदुओं को सैकड़ों की भीड़ बर्बरतापूर्वक मार दे और उसे पेड़ पर टांग कर जला दे, ऐसी घटनाओं से न वे भारत का बाल बांका कर सकते हैं न भारत के मनोबल को तोड़ सकते हैं। निश्चित रूप से ऐसी घटनाएं भावुक हृदय के लोगों को दुखी और व्यथित करती हैं लेकिन इस सदी में जहाँ हर क्षण, हर स्तर पर सिर्फ सौदेबाजी का जाल फैला हो वहाँ संवेदनशीलता और मानवीयता की अपेक्षा किससे की जा सकती है?

■ लेखक बीएमएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट बेंगलूरु में हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक हैं।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समुद्र प्रताप

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गोवा में इंडियन कोस्ट गार्ड के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन और बनाए गए प्रदूषण कंट्रोल वेसल 'समुद्र प्रताप' की कमीशनिंग के दौरान।

मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं हटा : शशि थरूर

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि वह कभी भी पार्टी लाइन से अलग नहीं हुए हैं। उनके हालिया बयानों और लेख ने पार्टी को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया था।

आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करने के वास्ते केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सुल्तान बाथरी में आयोजित 'लक्ष्य 2026' नेतृत्व शिविर में भाग लेने के बाद वह पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, मेरा सवाल यह है कि किसने कहा कि मैंने पार्टी की विचारधारा का उल्लंघन किया है? मैंने विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त की है, लेकिन अधिकतर मामलों में पार्टी और मैं एक ही रुख पर कायम रहे हैं।

थरूर ने कहा कि उन्होंने संसद में मंत्रियों के सामने जो सवाल उठाए थे, उनकी एक स्पष्ट दिशा थी और पार्टी को उनसे परेशान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवाद अक्सर तब उत्पन्न होते हैं जब मीडिया की खबरें पूरी सामग्री पढ़े बिना केवल सुर्खियों पर आधारित होती हैं।

थरूर ने कहा, जब मैं लोगों से पूछता हूं कि क्या उन्होंने वास्तव में मैंने जो लिखा है उसे पढ़ा है, तो ज्यादातर लोगों ने नहीं पढ़ा होता है। पूरा पाठ पढ़ने के बाद, उन्हें असली मुद्दा समझ में आता है। उन्होंने कहा कि वह 17 साल से पार्टी में हैं और अपने सहयोगियों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा, अभी किसी तरह की अचानक गलतफहमी की कोई जरूरत नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या ये मुद्दे कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने के बाद शुरू हुए, थरूर ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करती है और अतीत में कई नेताओं ने आंतरिक चुनाव लड़े हैं। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव लड़ा और हार गया। बात यहीं खत्म हो गई। मुझे इसमें कोई कहानी नजर नहीं आती। पार्टी के इतिहास में कई चुनाव हुए हैं, तथा कई में जीत और हार हुई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का बचाव करने वाली उनकी टिप्पणी पर थरूर ने कहा कि यह आडवाणी के 98वें जन्मदिन पर शिष्टाचार का एक कार्य था। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति हमें बड़ों का सम्मान करना सिखाती है, और मैंने वही किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा के रूप में देखे जाने वाले बयानों को लेकर एक अन्य विवाद का जिक्र करते हुए, थरूर ने कहा कि उन्होंने केवल एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही गई बातों को उद्धृत किया था। उन्होंने कहा, मैंने लोगों से पूछा कि मैंने उनकी प्रशंसा कहाँ की है। अगर कोई पूरा पोस्ट पढ़ेगा तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था।

केरल विधानसभा चुनाव और उम्मीदवारों के चयन के संबंध में थरूर ने कहा कि पार्टी नेताओं से परामर्श किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस सांसद विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा कि कुछ सांसद इच्छुक हैं, लेकिन यह निर्णय पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, मैं उन लोगों के लिए बोलता और लिखता हूं जो भविष्य की तलाश में दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं।

थरूर ने कहा कि केरल को अधिक अवसर पैदा करने के लिए निवेश के द्वार खोलने चाहिए। उन्होंने कहा, केरल का विकास तभी होगा जब रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि सभी क्षेत्रों का अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है।

थरूर ने कहा, हमारी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और हम पर भारी कर्ज है। कर्ज चुकाने में विकास कार्यों के लिए निर्धारित बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के साथ एकजुट होकर खड़ी रहेगी और उन्हें विश्वास है कि यूडीएफ केरल में सत्ता में आएगा। कांग्रेस द्वारा 100 सीट जीतने का दावा किए जाने के बारे में थरूर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा किया था और यह संभव है।

भारतीय राजदूत ने चीन के सबसे पुराने बौद्ध पैगोडा का दौरा किया

बीजिंग/भाषा

शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत में ऐतिहासिक भव्य प्रदर्शनी 'लाइट एंड द लोटस: रेलिक्स ऑफ अवेकंड' के उदघाटन के उपलक्ष्य में चीन के प्राचीन शहर सुझोऊ में स्थित 'टाइगर हिल पैगोडा' का दौरा किया।

मोदी ने दिल्ली में शनिवार को बुद्ध से जुड़ी पवित्र प्राचीन वस्तुओं की एक प्रदर्शनी का उदघाटन किया और जोर देकर कहा कि ये केवल कलाकृतियां नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस सहित उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। उन्होंने कहा कि इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे।

वाणिज्य दूतावास द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सोमवार को जारी एक पोस्ट में कहा गया कि इसी के उपलक्ष्य में माथुर ने यांग्त्ज़ी नदी के दक्षिण में स्थित सबसे पुराने और सबसे बड़े बौद्ध पैगोडा – चीन के टाइगर हिल मंदिर का दौरा किया।

माथुर ने रविवार को बौद्ध धर्मगुरुओं और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया समेत स्थानीय समुदाय से बातचीत कर भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा रत्न की 127 वर्षों के बाद वापसी के विशेष महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इसे इसे भारत की सभ्य चेतना और आध्यात्मिक विरासत के लिए एक गौरवपूर्ण पल बताया।

इस आयोजन के दौरान, भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रदर्शित किए गए।

अमेरिका ने पहले भी कई देशों पर आक्रमण कर नेताओं को सत्ता से हटाया, वेनेजुएला का मामला थोड़ा अलग

सनशाइन कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया)। अमेरिका के विशेष बलों ने रविवार तड़के वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकस में स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया और विमान में बिठाकर देश से बाहर ले गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस न्यूयॉर्क में मादक पदार्थ–आतंकवाद के आरोपों में मुकदमे का सामना करेंगे।

लातिन अमेरिका और कैरेबिया में अमेरिकी हस्तक्षेपों से परिचित किसी व्यक्ति के लिए बुनियादी बात तो पहले जैसी है और वह है एक नेता को अस्वीकार्य मानकर उसपर अत्यधिक प्रभाव के साथ सैनिक बल का इस्तेमाल किया गया, और फिर रातोंरात एक सरकार को गिरा दिया गया। लेकिन वेनेजुएला का मामला इसलिए अलग और बहुत चिंताजनक है क्योंकि अमेरिका ने कई महीनों तक बहुत हिम्मत के साथ इस देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। बार–बार बदलते और ढुलमुल कारणों के आधार पर ये सैन्य अभियान चलाए गए और इनके लिए बहुत कम प्रमाण प्रस्तुत किए गए। यह मामला भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई विद्वान पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून गंभीर संकट में है। वेनेजुएला क्षेत्र का पहला देश नहीं है, जिसके नेता को अमेरिकी हस्तक्षेप या सहमति से सत्ता से हटा दिया गया हो।

'सिंगल पापा' का आ रहा है दूसरा सीजन, फैमिली कॉमेडी का मजा होगा दोगुना

मुंबई/एजेन्सी

फैमिली कॉमेडी वेब सीरीज 'सिंगल पापा' दर्शकों के बीच मजेदार कहानी और किरदारों के कारण लोकप्रिय हो रही है। कुणाल खेमू के मुख्य किरदार गौरव और छोटे से बच्चे अमूल के साथ गहलोत परिवार की कहानी ने दर्शकों को हंसाने के साथ–साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ा है। शो की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह नेटफ्लिक्स पर दो हफ्ते तक लगातार ट्रेंड करता रहा। इस बीच अब 'सिंगल पापा' के दूसरे सीजन की चर्चा शुरू हो गई है, यानी दर्शकों को जल्द ही गौरव और उसके परिवार के नए रोमांच देखने को मिलेंगे। 'सिंगल पापा' के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शशांक खेतान ने बताया कि यह कहानी शुरू से ही परिवार को केंद्र में रखकर सोची गई थी। उन्होंने कहा, ''दर्शकों का प्यार और जुड़ाव इस बात का सबूत है कि यह कहानी केवल एक सीजन में खत्म नहीं हो सकती। सीजन 2 में दर्शकों को परिवार की नई चुनौतियां, रिश्तों की मिठास और खुशियों का विस्तार देखने को मिलेगा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना काफी मजेदार रहा।'' इस सीरीज में कुणाल खेमू के अलावा, प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहैल नय्यर, दयानंद शेट्टी, आयशा अहमद, ध्रुव राठी, और ईशा तलवार जैसे कई कलाकार भी हैं। यह पूरी टीम मिलकर शो को और मजेदार और दिलचस्प बनाती है। कहानी कुणाल खेमू के किरदार गौरव गहलोत के इर्द–गिर्द घूमती है, जो कभी–कभी बच्चे जैसा व्यवहार करता है। कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आता है जब गौरव अपने तलाक के तुरंत बाद एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार चौंक जाता है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, ''दर्शकों का प्यार और उनकी प्रतिक्रिया ने दिल को छू लिया। लोगों ने शो देखकर हंसी, भावनाएं, गोद लेने, प्यार और परिवार जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस कहानी का इतनी जल्दी नंबर 1 बनना और ग्लोबल ट्रेंड करना यह दिखाता है कि सच्ची और सरल भावनाएं हमेशा दर्शकों से जुड़ती हैं।''

जुलूस

अमृतसर में सोमवार को दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की जयंती के मौके पर एक धार्मिक जुलूस के दौरान सिख समुदाय के सदस्य और अन्य लोग।

मलयालम अभिनेता कन्नन पट्टाम्बी का निधन

मुंबई/एजेन्सी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता और प्रोडक्शन कंट्रोलर कन्नन पट्टाम्बी का निधन हो गया। यह खबर फिल्म जगत के लिए एक बड़ा झटका है। करीब तीन दशकों तक फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े रहने वाले कन्नन ने कई फिल्मों में अभिनय किया और साथ ही प्रोडक्शन में अहम भूमिका निभाई। कन्नन पट्टाम्बी लंबे समय से किडनी से संबंधित गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनका इलाज कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां उन्होंने 62 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि उनके बड़े भाई और फिल्म निर्माता मेजर रवि ने की। मेजर रवि ने फेसबुक पर मलयालम में एक इमोशनल पोस्ट लिखा और अपने छोटे भाई को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, 'मेरा प्यारे भाई कन्नन पट्टाम्बी, जो फिल्मों में प्रोडक्शन कंट्रोलर के रूप में काम करते थे, कल रात 11:41 बजे हमें छोड़कर चले गए। उनका अंतिम संस्कार आज शाम 4 बजे पलक्कड़ जिले के नजंगट्टीरी स्थित घर पर होगा। मेरे छोटे भाई अब स्वर्ग में हैं। ओम शांति।''

कन्नन पट्टाम्बी का जन्म 1964 में केरल के पलक्कड़ जिले के पट्टाम्बी में हुआ था।

परिक्रमा

प्रयागराज में सोमवार को जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक महंत हरि गिरि, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी और अन्य साधुओं के साथ, प्रयागराज में संगम पर चल रहे 'माघ मेले' के दौरान एक धार्मिक जुलूस, 'पंचकोशी परिक्रमा' में हिस्सा लेते हुए।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर : डायना पेंटी

मुंबई/एजेन्सी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह–कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने आईएएनएस से बात की। अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को–एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, ''एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह–कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।''

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह–कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, ''इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ–स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन–स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।'' तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, ''हम दोनों को कभी भी एक–दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक–दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है।'' उन्होंने कहा, ''मैं और तमन्ना एक–दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच–समझकर कहनी पड़े।

हम खुलकर एक–दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है।'' डायना ने कहा, ''कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म–नियंत्रण बहुत जरूरी है।''

सात समंदर पार भी सुरभि चंदना को सता रही मुंबई की याद

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यहां रहने वालों के लिए एक एहसास है। जो एक बार मुंबई में रह लेता है, वह चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, इस शहर की याद उसे खींच ही लाती है। कुछ ऐसा ही लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना के साथ हुआ। सात समंदर पार विदेश यात्रा पर गई सुरभि अपने शहर और खासतौर पर मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को याद कर इमोशनल हो उठी, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा की। सुरभि चंदना ने रविवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से देश से बाहर हैं और अब उन्हें मुंबई की छोटी–छोटी चीजों की बहुत याद आने लगी है।

इस वीडियो में सुरभि ने मजेदार अंदाज में दिखाया कि कैसे विदेश की शानदार जगहों और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी उनका दिल मुंबई के ट्रैफिक, वड़ा पाव और सड़कों के गड्ढों तक को मिस कर रहा है। वीडियो में सुरभि ने साल 2006 में आई फिल्म 'शादी से पहले' के एक मशहूर डायलॉग का इस्तेमाल किया। इस फिल्म में सुनील शेट्टी का किरदार अपने शहर के लिए तड़पता हुआ दिखता है, और उसी भावना को सुरभि ने मजेदार ट्विस्ट के साथ पेश किया। वीडियो में वह कहती नजर आती कि अब उनका मन वापस मुंबई लौटने का कर रहा है, ताकि वह अपने शहर की रौनक और वहां की जिंदगी को फिर से जी सकें।

वीडियो के ऊपर उन्होंने टेक्स्ट में लिखा, ''15 दिन विदेश में बिताने के बाद अब मुंबई की असली पहचान याद आने लगी है। ट्रैफिक, वड़ा पाव और गड्ढे देखने की तलब लग रही है।'' सुरभि ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, मुंबई, वड़ा पाव, तेरी याद आ गई। सुरभि के पोस्ट पर दिशा परमार ने लिखा– 'बहुत अच्छे।' मोनालिसा ने लिखा, 'ट्रैफिक और गड्ढे देखने की तलब... हाहाहा मजेदार वीडियो है।'

तीर्थ यात्रा पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जीतो पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर अचीवर्स के 29 सदस्य आध्यात्मिक सामाजिक आयोजन के तहत शंकेश्वर तीर्थ एवं गिरनार तीर्थ की यात्रा सम्पन्न कर वापस बेंगलूरु लौटे। सदस्यों ने नववर्ष 2026 की शुरुआत श्री नेमिनाथ भगवान एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान के पवित्र पक्षाल, पूजा एवं आरती के साथ नई शक्ति, विश्वास और संकल्प के साथ की। ग्रुप के रेफरल प्रमुख जितेन्द्र खिमसुरा, रेफरल लीड ध्वज छाजेड़, सचिव राज नागौरी, आकाश संघवी व राहुल चौपड़ा ने व्यवस्था संभाली।

जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन हर्षोल्लास से सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी भवन में रविवार को जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने बताया कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में सदस्य परिवारों ने भाग लिया। स्नेह मिलन की शुरुआत में अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत किया। मंत्री राजेश भण्डारी ने कार्यकारिणी सभा के प्रस्तावों से अवगत कराया और सूचित किया कि होली स्नेह मिलन समारोह 15 मार्च को आयोजित होगा।

संरक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंघी, राजेन्द्र लोढ़ा, अध्यक्ष, मंत्री, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, राजेन्द्र सिंघी , कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा, अर्चना-दिलीप सुराणा ने इस स्नेह मिलन के प्रायोजक लक्ष्मीचंद उर्फ टाइसा भंडारी परिवार का सम्मान किया। इस आयोजन की व्यवस्था में राजेन्द्र लोढ़ा, महेन्द्रराज भण्डारी, पंकज मेहता, सुनील पारख, अनिल भंडारी, सुरेश भंडारी, राजेन्द्र कर्नावट ,राजेन्द्र भन्साली ने सहयोग किया। डॉली डॉ अरिहन्त भंडारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

जीतो हुब्बल्ली ने गौशालाओं ने दिया अर्थ सहयोग

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर फाउंडेशन के सदस्यों ने पशु कल्याण कार्यक्रम के तहत शांतिनाथ गौशाला और ध्यान फाउंडेशन गौशाला का दौरा किया। सदस्यों ने गौशालाओं में गायों की सेवा कर उन्हें हाथों से गुड़, सब्जी व हरा चारा खिलाया। उपस्थित सदस्यों ने संस्था की ओर से दोनों गौशालाओं में गौसहयोगार्थ इकावन-इकावन हजार रुपए के चैक भेंट किए। इस पशु सेवा कार्य के लिए अध्यक्ष अनिल कुमार जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सब कुछ पाने के लिए भगवान महावीर जैसा त्याग जरूरी : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

मुमुक्षु लवेश का निकाला गया वरघोड़ा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में सोमवार को जैन स्थानक अक्कीपेट में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी ने कहा कि संसार में किसी को कुछ मिलता है, किसी को कुछ कुछ और किसी को बहुत कुछ मिल जाता है लेकिन सब कुछ किसी को नहीं मिलता है। जीवन में हमेशा कुछ न कुछ पाने की चाह लगी रहती है। सब कुछ पाने के लिए जीवन में त्याग जरूरी है। भगवान महावीर ने सब कुछ प्राप्त करते हुए भी उन सब चीजों का त्याग कर दिया और आत्मा के कल्याण रूप संयम को स्वीकार कर लिया, फलस्वरूप उन्हें फिर सब कुछ मिल गया। उन्होंने केवल ज्ञान, केवल दर्शन को प्राप्त करके अपने संयम साधना, तप त्याग, साधना आराधना के बल पर आत्मा के शाश्वत सुख और मुक्ति मोक्ष पद को प्राप्त कर लिया। नरेशमुनिजी ने कहा कि संयम की शक्ति महान है। संयम जीवन को महान बनाता है। संयम पाकर अनेक साधारण से साधारण मुक्ति पद के राही बन गए। मुनिश्री ने अक्कीपेट संघ की सेवा समर्पण, धर्म भावना और गुरु भक्ति भाव की सराहना करते हुए सबको साधुवाद दिया।ङ्ग संतश्री शालिभद्रमुनिजी ने वैरागी मुमुक्षु लवेश सिंघवी के त्याग की अनुमोदना करते हुए कहा कि शूरवीर आत्मा ही संयम के मार्ग को स्वीकार कर आगे बढ़ते हुए आत्मा के परम लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। गौतम स्वामी को भगवान महावीर का साथ मिला और उनके जीवन का भी कल्याण हो गया। जीवन में भोग नहीं त्याग का ही महत्व बतलाया गया है। मन की एकाग्रता भी धर्म साधना, आराधना में जरूरी महत्वपूर्ण तत्व है। साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धिश्रीजी व सुप्रभाजी ने भी अपने प्रासंगिक विचार व्यक्त करते हुए गुरु के चरण की शरण ग्रहण करने की प्रेरणा दी। ङ्गङ्गअक्कीपेट में मुमुक्षु लवेश सिंघवी का वरघोड़ा निकाला गया।

संतों ने दीक्षा प्रसंगे गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में मंगल प्रवेश किया। वैरागी लवेश सिंघवी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। अक्कीपेट संघ की ओर से मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर आयोजित पंच दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। दीक्षा महोत्सव के लाभार्थी भंसाली परिवार एवं रातड़िया परिवार ने सभी को दीक्षा समारोह में शामिल होने का निवेदन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, माणकचन्द बडेरा, सुरेश कानूंगा, प्रकाशकरण मेहता, पारसमल श्रीश्रीमाल, महावीर चंद मेहता, पदमचंद रातड़िया आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे अक्कीपेट संघ के सह मंत्री विनोद भुरट ने संचालन किया। नवयुवक मंडल, महिला मंडल ने वरघोड़ा व्यवस्था में सहयोग दिया।

सच्चा सुख सद्‌गुणों की प्राप्ति में है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस प्रकार सुगंध पाने के लिए दौड़ता हुआ कस्तूरी मृग यह नहीं जानता कि सुगंध उसकी नाभि में है, उसी प्रकार भौतिक सुख पाने के लिए निरंतर दौड़ता हुआ मनुष्य भी यह नहीं जानता कि सुख-संपत्ति, सत्ता, शक्ति, संबंधियों में नहीं बल्कि सद्गुणों की प्राप्ति में है। संसार के क्षणिक सुखों को पाने के लिए दौड़ता हुआ मनुष्य, कठोर परिश्रम के अलावा कुछ नहीं पाता। संसार में सुख पाने की मेहनत केवल पानी को मथकर मक्खन निकालने का प्रयत्न है।

साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि आज के लोगों में किसी को शारीरिक दुःख है, किसी की आर्थिक स्थिति कमजोर है, किसी को संतान का दुःख है, किसी को संबंधियों का दुःख है। शारीरिक दुःख से मानसिक दुःख अधिक कष्टदायक है।

हम जितना अधिक दुःख को सहर्ष स्वीकार करेंगे, उतना ही दुःख कम होगा। दुःख अवश्यंभावी है लेकिन दुःखी होना जरूरी नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों को बहुत कम बोलना चाहिए, बिना पूछे किसी को सलाह नहीं देना चाहिए। किसी कवि ने ठीक कहा है. बुढ़ापे में हाथ में माला, मुंह पर ताला, तो उजाला ही उजाला है। किरण भंसाली ने बताया कि अनेक पुरुष व महिला श्रद्धालुओं ने विहार सेवा का लाभ लिया।

'जेएलपीएल' राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए केकेजी वॉरियर्स टीम की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आगामी दिनों में इन्दौर में आयोजित जीतो लेडीज़ प्रीमियर लीग(जेएलपीएल) के लिए महिला क्रिकेट टूर्नामेंट हेतु 'केकेजी वॉरियर्स टीम' में खिलाड़ियों का चयन किया गया। टीम कोच दीपक जैन के मार्गदर्शन में जेएलडब्ल्यू क्रिकेट टीम में नितिका जैन(कप्तान), ट्विंकल मुथा (उप-कप्तान), चेहल चोपड़ा, ईशा भंसाली, राखी जैन, निशी पोरवाल, वंदना ललवानी, सारिका मेहता, सोनल मुथा, डिंपल बागरेचा, श्वेता राखेचा एवं किरण नागौरी का चयन किया गया।

केकेजी ज़ोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। महामंत्री दिलीप जैन ने खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास एवं समर्पण की सराहना करते हुए अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। लेडीज विंग साउथ की अध्यक्ष बबिता रायसोनी एवं नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएँ दीं।

जितेश वया

प्रवीण कटारिया

जितेश बने विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन के अध्यक्ष, प्रवीण बने मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन की साधारण बैठक में नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ। अध्यक्ष मोनिष मुथा ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा सर्वसहमति से वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष पद हेतु जितेश वया, मंत्री पद हेतु प्रवीण कटारिया, उपाध्यक्ष के लिए अभिषेक डोसी, सहमंत्री हेतु विशाल पुगलिया एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु पदमा बोथरा के नाम की घोषणा की। नवनियुक्त अध्यक्ष जितेश वाया ने सभी उपस्थित जनों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे सभी के साथ एवं सहयोग से संगठन सेवा कार्य में सदैव तत्पर रहेंगे।

इस अवसर पर श्रावक संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा व मंत्री सज्जन बोहरा ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी।

केडीपी की बैठक के दौरान भाजपा विधायक और कांग्रेस एमएलसी के बीच झड़प

बीद/दक्षिण भारतर। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे की उपस्थिति में हुई एक बैठक के दौरान भाजपा विधायक सिद्दू पाटिल और कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) भीमराव पाटिल के बीच हाथापाई हो गई। इस झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूत्रों के अनुसार, खांड्रे उत्तरी कर्नाटक के बीदर में स्थित जिला मुख्यालय में जिला पंचायत हॉल में कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की जिला स्तरीय त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। वन भूमि पर अतिक्रमण को लेकर दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को अपशब्द कहे और झड़प शुरू हो गई। वहां मौजूद एक पुलिस अधिकारी और अन्य सरकारी अधिकारियों ने तुरंत उन्हें अलग किया। बाद में खांड्रे ने हस्तक्षेप कर दोनों को शांत कराया।

सिद्दू पाटिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केडीपी की पिछली बैठक में उन्होंने बीदर के चिकपेट इलाके में 48 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, आज जिला प्रशासन ने मुझे जो जवाब दिया, वह संतोषजनक नहीं था। मैंने इस मामले को दोबारा उठाया। इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, खांड्रे ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की और जन प्रतिनिधियों से अपने मतदाताओं के लिए आदर्श बनने का आग्रह किया। उन्होंने मीडिया से कहा, जन प्रतिनिधियों को कानून और व्यवस्था से समझौता नहीं करना चाहिए। ज़िला पंचायत भवन के अंदर शुरू हुआ विवाद बाहर सड़कों तक फैल गया।

'मारवाड़ कांठा बॉक्स क्रिकेट प्रीमियर लीग' में युवाओं का दिखा विशेष उत्साह

समाज के कुल 195 युवा, युवती व महिला खिलाड़ियों ने दिखाया अपना कौशल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मारवाड़ काँठा समाज द्वारा आयोजित प्रथम 'मारवाड़ कांठा प्रीमियर लीग' का आयोजन सेन्ट्रल कॉलेज ग्राउंड पर रविवार को किया गया। इस बाक्स किक्रेट प्रतियोगिता में कुल छब्बीस मैच हुए जिसमें युवकों की 12 टीमों तथा युवतियों एवं महिलाओं की 4 टीमों ने भाग लिया। समाज के लगभग कुल 195 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस आयोजन के माध्यम से हमारी भावी पीढ़ी को एक मंच पर लाने का प्रयास है। इस तरह की प्रतियोगिताएं समाज में सौहार्द, सामंजस्य और अपनत्व की भावना का विकास करती है।ङ्ग इस अवसर पर तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, संघ गायक कमल सेठिया, गांधीनगर तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका, महिला मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी के साथ मारवाड़ काँठा समाज के परामर्शक, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर खेल मैच के अनेक राउंड हुए जिसमें बॉक्स क्रिकेट के फाइनल में महिला विंग से नवरतन ओस्तवाल की 'आउटस्टैंडिंग ओस्तवाल टीम' ने प्रथम स्थान तथा उत्तम गिरिया की 'ग्लोरियस गिरिया टीम' ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

युवा विंग में मनोज खाटेड़ की 'खाटेड़ किंग टीम' ने फाइनल में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का एवं गौतम रायसोनी की 'रायसोनी स्ट्राइकर टीम' ने द्वितीय स्थान का खिताब प्राप्त किया। पिकल बॉल में प्रथम स्थान शोभा गादिया-संस्कृति मुथा ने, द्वितीय स्थान दीक्षा रायसोनी-टीशा मुथा ने तथा वसंता छाजेड़-प्रीति मुथा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी राउंड की विजेता टीमों को ट्रॉफी तथा विशेष खिलाड़ियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

इस मौके पर समाज की ओर से सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। आयोजन के संयोजक भूपेंद्र रायसोनी के साथ विनोद मुथा, दिलीप भंसाली, राजू धोका, दीक्षित सोलंकी, भरत बोहरा, जीतू चोपड़ा, प्रणव धारीवाल, दीपक सेठिया, सिद्धार्थ मेहता, ऋषभ सेठिया तथा भोजन व्यवस्था में विक्रम सेठिया प्रवीण नाहर,अशोक नाहर ने सेवाएं प्रदान की। इस मौके पर मदन नाहर, पवन चौपड़ा, ललित आच्छा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री नवनीत मुथा ने किया एवं संयोजक भूपेंद्र रायसोनी ने धन्यवाद दिया।

नववर्ष पर माहेश्वरी सभा वेस्ट जोन ने आयोजित किया अखंड रामायण पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी सभा बेंगलूरु वेस्ट जोन के तत्वावधान में नए वर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार को अखंड रामायण पाठ का आयोजन आरआर नगर स्थित सुभाष भवन में हुआ। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भगवानदास-सुनीतादेवी लाहोटी व वरिष्ठ सदस्य जगदीश-रतनदेवी बिहानी के हाथों पूजा संकल्प के साथ पाठ का शुभारंभ हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने शंभुदयाल पारीक के मार्गदर्शन में रामायण का संगीतमय पाठ किया। माहेश्वरी सभा के मंत्री सत्यनारायण मालानी, संगठन मंत्री विनीत बिहानी व संजय साबू का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर विशेष रूप से राम दरबार की झांकी सजाई गई। रविवार को सुबह हरिकिशन सारड़ा द्वारा भजन व संगीतमय हनुमान चालीसा,संकटमोचन हनुमानाष्टक, श्रीराम धुन की प्रस्तुति दी गई। रामायण आरती के बाद महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में वेस्ट जोन के सचिव हरीश तापड़िया, सदस्य नीरज बिहानी, सारिका सोमानी, ममता करनानी, रीमा तापड़िया, विनीता बिहानी, कमल करनानी, विकास सोमानी ने व्यवस्था संभाली।

अणुव्रत संगठन यात्रा प्रारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में विजयनगर अणुव्रत समिति द्वारा संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने सभी का स्वागत करते हुए सबको साथ जोड़ कर अणुव्रत का कार्य करने पर बल दिया। तेरापंथ सभा की ओर से भँवरलाल मांडोत, तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया, एलएन डागा, सुमित्रा बरड़िया, लाभेश कांसवा, ललित बाबेल, प्रेम चावत व सुरेश दक ने अणुव्रत विषय पर विचार रखे। संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुविभा के लक्ष्य व कार्यक्रमों की जानकारी दी। मंत्री अरिहंत कावड़िया ने समिति की रिपोर्ट पेश की। श्रीनिवास ने सभी को धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**